RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 103 ता. 11 अक्टूबर 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

देश के महानायक टाटा का निधन,अलविदा हुए... रतन

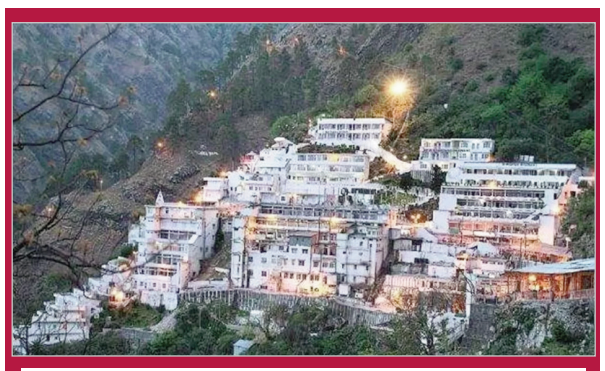

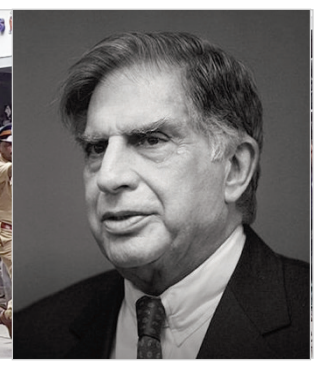

मुंबई।

भारतीय उद्योग जगत के स्तंभ और टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन नवल टाटा का 86 वर्ष की आयु में मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया।

वह लंबे समय से बीमार थे और उनका इलाज जारी था। उनके निधन से उद्योग और समाज सेवा के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। रतन टाटा ने अपने कुशल नेतृत्व और नैतिक सिद्धांतों से टाटा समूह को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और भारतीय उद्योग में अपनी अमिट छाप छोड़ी। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,गृहमंत्री अमित शाह,नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शोक व्यक्त किया है।

टाटा संस के वर्तमान चेयरमैन एन चंद्रशेखर ने एक बयान में कहा, रतन टाटा का निधन हमारे लिए व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से एक बड़ी क्षति है। वह एक असाधारण नेता, प्रेरणास्त्रोत और मेरे लिए एक मार्गदर्शक थे।

उनके सिद्धांत और मूल्य हमें हमेशा प्रेरित करेंगे। चंद्रशेखर ने यह भी कहा कि टाटा का परोपकार और समाज सेवा के प्रति समर्पण उन्हें एक विशेष व्यक्ति बनाता है।रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं, जिनमें टाटा नैनो और जगुआर-लैंड रोवर का अधिग्रहण प्रमुख थे। उनकी दृष्टि और उद्योग के प्रति समर्पण ने टाटा समूह को वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने हमेशा व्यापार को समाज के प्रति एक जिम्मेदारी के रूप में देखा और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उनके निधन पर देशभर में शोक की लहर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा, रतन टाटा के निधन से गहरा दुख हुआ है। वे भारतीय उद्योग के पथप्रदर्शक थे और उनकी सरलता, विनम्रता, और देशभक्ति को हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

रतन टाटा ने 1991 में टाटा समूह की बागडोर संभाली और उसे एक छोटे से पारिवारिक व्यवसाय से एक वैश्विक समूह में परिवर्तित किया। उनके नेतृत्व में टाटा समूह ने न केवल वित्तीय सफलता हासिल की, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी निभाया। रतन टाटा का निधन भारतीय उद्योग और समाज सेवा के क्षेत्र में एक युग के अंत का प्रतीक है।

उनकी सादगी, दूरदर्शिता, और जनकल्याण के प्रति समर्पण ने उन्हें जनता के दिलों में विशेष स्थान दिलाया। उनकी विरासत हमेशा प्रेरणादायक रहेगी।

रतन टाटा को भारत ही नहीं विदेशों में कई अवार्डों से नवाजा गया

- परोपकार, शिक्षा और नैतिकता ने उन्हें एक महान इंसान बना दिया

नई दिल्ली। उद्योगपति रतन टाटा दुनिया को अलविदा कह गए। रतन टाटा ने देश में अपनी सादगी से अलग ही पहचान बनाई थी। रतन टाटा को अपने जीवन में कई सम्मान मिले थे। रतन टाटा को साल 2000 में भारत सरकार ने पद्मभूषण से सम्मानित किया था। 2008 में उन्हें पद्मविभूषण से नवाजा गया। इसके अलावा उन्हें महाराष्ट्र सरकार ने 2023 में उद्योग रत्न अवार्ड देकर सम्मानित किया था। रतन टाटा को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग लंबे समय से उठती रही है। हालांकि, अभी तक रतन टाटा को देश का सर्वश्रेष्ठ नागरिक सम्मान नहीं मिला था। रतन टाटा को 2000 पद्म भूषण भारत सरकार, 2004 मेडल ऑफ द ओरिएंटल रिपब्लिक ऑफ उरुगुवे लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस, 2008 पद्म विभूष भारत सरकार, 2008 में ही ओनरी डॉक्टर ऑफ लॉ यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज 2008 ओनरी डॉक्टर ऑफ साइंस आईआईटी, बॉम्बे, 2008 ओनरी डॉक्टर ऑफ साइंस आईआईटी खरगपुर और 2008 में ही ओनरी सिटिजन अवॉर्ड सिंगापुर सरकार से नवाजा गया वहीं 2016 कमांडर ऑफ द लीजन ऑफ द ओनर फ्रांस सरकार ने, 2023 ओनरी ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया किंग चार्ल्स ने, 2023-उद्योग रत्न महाराष्ट्र सरकार ने देकर सम्मानित किया था।

ऐसे थे हमारे टाटा : घाटे से परेशान जगुआर- लैंड रोवर को खरीदा और मुनाफे में बदल दिया

मुंबई। रतन टाटा के जीवन का सबसे रोचक और प्रेरणादायक किस्सा जगुआर-लैंड रोवर के अधिग्रहण से जुड़ा है। यह किस्सा न केवल उनकी व्यावसायिक सूझ-बूझ को दर्शाता है, बल्कि उनकी शांत और विनम्र प्रवृत्ति को भी उजागर करता है। कहानी 1999 की है, जब टाटा मोटर्स ने अपनी पहली पैसेंजर कार टाटा इंडिका लॉन्च की थी। यह कार भारतीय बाजार में उतनी सफल नहीं रही जितनी उम्मीद की गई थी, जिससे कंपनी को भारी नुकसान उठाना पड़ा। उस समय रतन टाटा ने सोचा कि शायद पैसेंजर कार व्यवसाय टाटा के लिए सही कदम नहीं था, और उन्होंने इसे बेचने का निर्णय लिया। इस उद्देश्य से वे फोर्ड मोटर्स के पास गए और अपनी कंपनी बेचने का प्रस्ताव रखा। जब रतन टाटा और उनकी टीम फोर्ड के अधिकारियों से मिलने अमेरिका पहुंचे, तो वहां उनका स्वागत अच्छा नहीं हुआ। फोर्ड के अधिकारियों ने टाटा मोटर्स की बुराई की और कहा, आपको पैसेंजर कार बिजनेस में क्यों आए? यह आपके लिए बहुत बड़ी गलती थी। हम इसे खरीदकर आप पर एहसान कर रहे हैं। उस अपमानजनक व्यवहार से रतन टाटा और उनकी टीम को बहुत निराशा हुई। वे बिना सौदा किए वापस लौट आए, लेकिन रतन टाटा ने यह अपमान अंदर ही अंदर सह लिया और कुछ नहीं कहा।

समय बीता और परिस्थितियां बदलीं। 2008 में, वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान, फोर्ड को अपने प्रतिष्ठित ब्रांड जगुआर-लैंड रोवर बेचने की नौबत आ गई। तब रतन टाटा ने उसी फोर्ड से जगुआर-लैंड रोवर को खरीदने का निर्णय लिया। यह वही फोर्ड थी जिसने कुछ साल पहले टाटा मोटर्स को अपमानित किया था। रतन टाटा ने फोर्ड के साथ बातचीत की और अंततः 2.3 बिलियन डॉलर में जगुआर-लैंड रोवर का अधिग्रहण कर लिया। मजेदार बात यह है कि इस बार फोर्ड के चेयरमैन बिल फोर्ड ने रतन टाटा से कहा, आपने हमारी कंपनी खरीदकर हम पर एहसान किया है। यह पल रतन टाटा के लिए बेहद खास था, क्योंकि उन्होंने उसी कंपनी से दो प्रतिष्ठित ब्रांड खरीदे, जिसने कभी उन्हें नीचा दिखाया था। इस किस्से से रतन टाटा की दूरदर्शिता, धैर्य, और व्यवसाय में उनके शांत स्वभाव का परिचय मिलता है। उन्होंने अपमान का जवाब विनम्रता और सफलता के साथ दिया, जो हर उद्यमी के लिए एक प्रेरणा है।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने खोला पीएमबीजेके केंद्र

कटड़ा। मां वैष्णो देवी के करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए अच्छी खबर है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) का उद्घाटन किया है। यह केंद्र श्राइन बोर्ड के कर्मचारियों और भवन के पास तैनात एजेंसियों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं बढ़ाने के उद्देश्य से खोला गया है। इस केंद्र में सस्ती गुणवत्ता वाली दवाएं और बेहतर स्वास्थ्य मिलेगी। इसका उद्देश्य हर साल तीर्थस्थल पर आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों और क्षेत्र के अधिकारियों को सस्ती जेनेरिक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों तक आसान पहुंच प्रदान करना है। गर्ग ने तीर्थयात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए बोर्ड के प्रयासों की पुष्टि की, ताकि श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संतोष के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर सस्ती चिकित्सा देखभाल भी प्राप्त हो सके। तीर्थयात्रियों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, बोर्ड ने ट्रैक पर विभिन्न आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से लैस सात कार्यात्मक चिकित्सा इकाइयां स्थापित की हैं। ये इकाइयां चौबीसों घंटे आपात स्थितियों में सहायता प्रदान करने के लिए कार्यरत हैं। इसके अलावा, विशेष चिकित्सा देखभाल के लिए मरीजों को तुरंत अस्पताल में स्थानांतरित करने के लिए स्टैंडबाय एंबुलेंस भी मौजूद हैं। कटड़ा में सामुदायिक अस्पताल और श्राइन बोर्ड का 300 बिस्तरों वाला अस्पताल भी तीर्थयात्रियों की चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए तैयार है।

दुर्लभ दर्शन केंद्र का उद्घाटन

सीईओ ने भवन पर दुर्लभ दर्शन केंद्र का अनावरण किया, जो शारदीय नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं को श्री माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा का 11 मिनट का आभासी वास्तविकता अनुभव प्रदान करता है।

मणिपुर में पुलिस सर्च अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल। मणिपुर के विभिन्न हिस्सों से पिछले 3 दिनों में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त हुए हैं। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई राज्य के विभिन्न जिलों में चलाए गए अभियानों के दौरान की गई। पुलिस ने बताया कि इंफाल पूर्व जिले के चम्फाई पहाड़ी पर एक विशेष अभियान में सुरक्षा बलों ने एक एम-16 राइफल, एक .22 राइफल, दो एसएलआर राइफल्स, एक देसी स्टेन गन, दो कार्बाइन, नौ एमएम की आठ देसी पिस्तौल, तीस मैगजीन, और 12 इंच के 12 मोर्टार जब्त किए। इस क्रम में, लुवांगशांगबाम इलाके में सुरक्षा बलों ने .32 बोर की दो पिस्तौल, नौ एमएम की एक पिस्तौल, दो हथगोले और दो इंच के दो मोर्टार सहित अन्य सामान बरामद किया। पुलिस के अनुसार, इंफाल पश्चिम जिले के खेलाखोंग में चलाए गए अभियान में एक एसएलआर राइफल, एक संवर्धित .303 राइफल, नौ एमएम की एक पिस्तौल, 16 कारतूस और कुछ हथगोले जब्त किए गए हैं। बिष्णुपुर जिले के गेलबुंग गांव में पुलिस ने एक एके-47 राइफल, एक मैगजीन, 12 बोर की एक सिंगल बैरल राइफल, 12 बोर की एक पिस्तौल और एक नौ एमएम कार्बाइन मशीन गन बरामद की। इसके साथ ही, पुलिस ने पांच डेटोनेटर और ढाई किलोग्राम आईईडी भी जब्त किया। चुराचांदपुर के कांगवई में चलाए गए एक छापेमारी के दौरान दो मोर्टार (पम्पी), दो स्थानीय स्तर पर निर्मित हथगोले और दो देसी पिस्तौल जब्त की गईं।

बिहार में सरकारी टीचरों के लिए ड्रेस कोड लागू

पटना । बिहार के शिक्षा विभाग ने राज्य के सरकारी स्कूलों में शिक्षक और शिक्षकों के लिए एक नया ड्रेस कोड लागू किया है, जिसके तहत जींस और टी-शर्ट पहनने पर रोक है। इस निर्णय का उद्देश्य स्कूलों में अनुशासन और औपचारिकता बनाए रखना है। शिक्षा विभाग के निदेशक (प्रशासन) सह अपर सचिव सुबोध कुमार चौधरी ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश जारी किए। नए निर्देशों के अनुसार, सरकारी स्कूलों में शिक्षक अब से फॉर्मल ड्रेस में ही आएंगे। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की गतिविधियां विद्यालयों के शैक्षणिक माहौल पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं और इस स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर निम्न स्तर की गतिविधियां भी संचालित हो रही हैं। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल शिक्षा कैलेंडर के अनुसार विशेष दिनों में नृत्य, संगीत आदि का अनुशासित और शालीन कार्यक्रम मान्य है। इसके साथ ही, जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि सभी शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी शिक्षण-कार्यालय अवधि के दौरान गरिमायुक्त औपचारिक परिधान में ही स्कूल आएं। इस निर्णय को कई शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा मिश्रित प्रतिक्रियाओं के साथ देखा जा रहा है। कुछ लोग सकारात्मक बदलाव मान रहे हैं, जबकि अन्य व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन मानते हैं।

रतन टाटा को मरणोपरांत मिलेगा भारत रत्न? महाराष्ट्र कैबिनेट की बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी

मुंबई। भारत के दिग्गज उद्योगपति, पद्म विभूषण रतन टाटा का बुधवार रात मुंबई में निधन हो गया। रतन टाटा के निधन के बाद विभिन्न स्तरों से मांग उठ रही है कि उन्हें भारत रत्न पुरस्कार दिया जाना चाहिए। अब महाराष्ट्र कैबिनेट में रतन टाटा को भारत रत्न देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि केंद्र से रतन टाटा को उनकी उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए भारत रत्न देने का अनुरोध करने वाले प्रस्ताव को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दे दी गई। गुरुवार को राज्य कैबिनेट की बैठक में दिग्गज उद्योगपति पद्म विभूषण रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बैठक में इस संबंध में शोक प्रस्ताव पेश किया। इस अवसर पर एक प्रस्ताव भी पारित किया गया जिसमें केंद्र से रतन टाटा को उनकी उपलब्धियों के लिए भारत रत्न से सम्मानित करने का अनुरोध किया गया। शोक प्रस्ताव में कहा गया कि उद्यमिता भी समाज निर्माण का एक प्रभावी तरीका है। नए उद्योगों की स्थापना से ही देश को आगे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन उसके लिए दिल में सच्ची देशभक्ति और उतनी ही सच्ची चिंता अपने समाज के लिए होनी चाहिए। हमने रतन टाटा के रूप में एक समान विचारधारा वाले सामाजिक कार्यकर्ता, दूरदर्शी और देशभक्त नेता को खो दिया है। भारत के औद्योगिक क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि सामाजिक विकास के कार्यों में भी रतन टाटा का योगदान असाधारण था।

बम के साथ आतंकी हैं अलर्ट के बाद ट्रेन में मचा हड़कंप

प्रयागराज।

गुरुवार को यहां रेलवे को अलर्ट किया गया था कि कुछ संदिग्ध आतंकी विस्फोटकों के साथ पुरूषोत्तम एक्सप्रेस में सफर कर रहे हैं।

इसके बाद उत्तर प्रदेश के टूंडला रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन को तीन घंटे से अधिक समय तक रोक दिया गया था। हालांकि, एक एक्स यूजर से मिली ये जानकारी झूठी निकली, क्योंकि लगभग 2.30 बजे से सुबह 6 बजे तक की गई गहन जांच के बाद ट्रेन में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। प्रयागराज रेल डिवीजन के एक अधिकारी ने कहा, लगभग 2.30 बजे, सभी कोचों में सभी यात्रियों को जगाया गया और उनके सामान की मेटल डिटेक्टर और डॉग स्क्वॉड से गहन जांच की गई, लेकिन कुछ भी नहीं मिला।उन्होंने आगे कहा, हमें एक एक्स हैंडल से सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध आतंकवादी विस्फोटकों के साथ ट्रेन में यात्रा कर रहे हैं, जिसे वे एयर इंडिया की दिल्ली-लेह फ्लाइट में रखेंगे। हमने कार्रवाई शुरू की लेकिन यह एक अफवाह निकली।

इस बार 11 अक्टूबर को होगी अष्टमी-नवमी पूजा, कन्या भोज भी इसी दिन

नई दिल्ली। इस बार अष्टमी और नवमी की तिथि एक ही दिन पड़ रही है। बता दें कि शास्त्रों में ऐसा माना गया है कि अष्टमी और नवमी एक ही तिथि में होना बेहद शुभ होता है। नवरात्रि का व्रत बिना कन्या पूजन के अधूरा माना जाता है। नौ दिनों का व्रत रखने के बाद नौवें दिन कन्या पूजन कराया जाता है और उनको खिलाने के बाद ही व्रत का पारण करते हैं। मान्यता है कि कन्या भोज कराने से घर में सुख-समृद्धि आती है। इस दिन नौ कन्याएं मां का नौ स्वरूप मानी जाती हैं और एक लांगुर की भी पूजा होती है। इस बार अष्टमी और नवमी की तिथि एक ही दिन पड़ रही है। उदयातिथि के मुताबिक इस बार अष्टमी और नवमी तिथि का व्रत 11 अक्टूबर को रखा जाएगा। इस कारण कन्या पूजन 11 अक्टूबर को ही की जाना चाहिए। आश्विन शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 10 अक्टूबर को दोपहर 12.31 मिनट से शुरू होगी और 11 अक्टूबर को दोपहर 12.06 पर समाप्त होगी। इसके बाद नवमी तिथि लग जाएगी, जो 12 अक्टूबर को सुबह 10.57 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। ऐसे में नवरात्रि की अष्टमी और नवमी का व्रत 11 अक्टूबर को ही रखा जाएगा

हरियाणा जीत को लेकर बीजेपी में है जोश, दिल्ली पर चाहती है कब्जा

-आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी बना रही खास प्लान

नई दिल्ली।

दिल्ली में 1998 से लगातार सत्ता से बाहर रही बीजेपी अगले विधानसभा चुनाव में वापसी करने के लिए तैयारी में जुट गई है। पार्टी दिल्ली में अलग-अलग सीटों के लिए अलग-अलग रणनीति बना रही है। पार्टी की नजर उन 10 विधानसभा सीटों पर हैं, जहां पिछली बार वह कम अंतर से हार गई थी।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि शुरुआती दौर में ऐसी सीटों की पहचान की गई हैं, जहां हार जीत का अंतर तीन हजार व उससे कम का था। इनमें आम आदमी पार्टी सरकार में डिप्टी सीएम रहे मनीष सिसोदिया की पटपड़गंज विधानसभा सीट भी है। 2020 के विधानसभा चुनाव में काउंटिंग के समय काफी उतार चढ़ाव के बाद सिसोदिया ने बीजेपी उम्मीदवार रवींद्र सिंह नेगी को 3207 वोटों से हरा दिया था। बिजवासन विधानसभा क्षेत्र में आप और बीजेपी प्रत्याशी के बीच हार-जीत का अंतर सिर्फ 753 वोट का था। इस विधानसभा सीट से बीजेपी के सतप्रकाश राणा हार गए थे।

सूत्रों के मुताबिक बीजेपी को लग रहा है कि अगर इस सीट पर भी रणनीति के तहत चुनाव लड़ा जाए तो इस बार कामयाब जरुर होंगे। आदर्श नगर विश्वनसभा सीट पर भी पिछले चुनाव में कांटे की टक्कर थी यहां हार-जीत का अंतर 1589 वोटों का था। यहां आप के पवन शर्मा ने बीजेपी के राजकुमार भाटिया को हराया था। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी उम्मीदवार को वोट मिले, उससे पार्टी इस सीट को लेकर काफी उत्साहित है। पार्टी नेताओं का कहना है कि शालीमार बाग और कस्तूरबा नगर विधानसभा में भी हार-जीत का अंतर ज्यादा नहीं था। इन दोनों विधानसभाओं में बीजेपी प्रत्याशियों की हार करीब तीन हजार वोटों से हुई थी। इन्हीं सब को देखते हुए पार्टी इस बार दिल्ली विधानसभा में अपनी नई रणनीति के तहत चुनाव लड़ेगी।

कांग्रेस ने फिर उठाए ईवीएम पर सवाल

आयोग से की निष्पक्ष जांच की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में ईवीएम में साफ तौर पर गड़बड़ी का आरोप लगाया और निर्वाचन आयोग से जांच करने की गुहार लगाई है। कांग्रेस ने कहा है कि निर्वाचन आयोग से पूरी जांच करने और विसंगतियों वाली ईवीएम को सील करके जांच पूरी होने तक सुरक्षित रखने का आग्रह किया है। आयोग में बैठक के बाद बाहर आये कांग्रेस नेताओं ने मीडिया के सामने गडबड़ी के अपने आरोप दोहराये। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि मतगणना को लेकर संदेह है क्योंकि हरियाणा चुनाव के परिणाम आश्चर्य में डालने वाले हैं, सभी को लग रहा था कि कांग्रेस अगली सरकार बनाएगी। हरियाणा के नतीजे चौंकाने वाले हैं क्योंकि सभी को लग रहा था कि हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनने जा रही है। सभी सर्वे रिपोर्ट में यही था लेकिन हुआ ये कि जब पोस्टल बैलेट की गिनती शुरू हुई तो कांग्रेस हर जगह आगे चल रही थी, लेकिन जब ईवीएम की गिनती शुरू हुई तो कांग्रेस पिछड़ रही थी। हमें कई शिकायतें मिली हैं। कई जगहों पर वोटों की गिनती में देरी हुई। चुनाव आयोग ने हमें आश्वासन दिया है कि वे सभी शिकायतों पर गौर करेंगे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि आज केसी वेणुगोपाल, अशोक गहलोत, अजय माकन, जयराम रमेश, भूपिंदर सिंह हुड्डा और पार्टी के अन्य नेताओं ने चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की। हमने आज चुनाव आयोग को अवगत कराया। करीब 20 शिकायते जो हमारे पास आई थी उसमें से 7 लिखित शिकायतों में ऐसी मशीनें थीं जो वोटिंग के दिन 99 प्रतिशत बैटरी दिखा रही थी और अन्य सामान्य मशीनें 60-70 प्रतिशत बैटरी दिखा रही थी। इससे हमने चुनाव आयोग को अवगत कराया। हमने मांग की कि जांच पूरी होने तक उन मशीनों को सील कर सुरक्षित रखा जाए। हमने चुनाव आयोग को यह भी कहा कि अगले 48 घंटों में हम बाकी शिकायतें भी उनके सामने रखेंगे। चुनाव आयोग ने हमें आश्वासन दिया है कि वह जवाब देंगे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि हमने चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की और 7 विधानसभा क्षेत्रों के दस्तावेज प्रस्तुत किए। हमेशा की तरह अधिकारियों ने एक अच्छी मुस्कान और एक अच्छा कप चाय पिलाई, लेकिन हमें कुछ और चाहिए है। उन्होंने कहा कि इसके बाद 13 और विधानसभा क्षेत्र के दस्तावेज कांग्रेस चुनाव आयोग को देने वाली है। कांग्रेस के प्रत्याशियों ने बीते रोज और आज भी ईवीएम की बैटरीज में खराबी की शिकायत दर्ज की थी। हमने इसकी जांच कर जवाब मांगे हैं। इससे पहले, चुनाव आयोग ने कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे को संबोधित एक पत्र में कहा कि वह अप्रत्याशित परिणामों पर पार्टी अध्यक्ष के रुख को मानता है, न कि पार्टी के कुछ नेताओं के इस रुख को कि परिणाम स्वीकार्य नहीं हैं। कांग्रेस नेताओं को बयान पर आयोग ने कहा कि देश की समृद्ध लोकतांत्रिक विरासत में सामान्य अर्थों में उपर्युक्त जैसा अभूतपूर्व बयान अनसुना है, यह मुक्त भाषण और अभिव्यक्ति के वैध हिस्से से बहुत दूर है और यह वैधानिक और नियामक चुनावी ढांचे के अनुसार व्यक्त लोगों की इच्छा को अलोकतांत्रिक रूप से अस्वीकार करने की ओर बढ़ता है।

किशोर न्याय बोर्ड के दो सदस्य सेवा से बर्खास्त... शिंदे सरकार का फैसला

मुंबई ।पुणे पोर्श दुर्घटना मामले में नाबालिग आरोपी को जमानत देने के संबंध में महाराष्ट्र सरकार ने किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) के दो सदस्यों को सेवा से बर्खास्त किया है। राज्य के महिला एवं बाल विकास विभाग ने एलएन दानवड़े और कविता थोराट के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी कि इन लोगों ने कथित प्रक्रियात्मक चूक, कदाचार और मानदंडों का पालन नहीं किया था। राज्य महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) विभाग के कमिश्नर प्रशांत नरनावरे ने बताया कि मैंने जांच पैनल की रिपोर्ट राज्य सरकार को देकर सिफारिश की थी कि दोनों सदस्यों सेवा समाप्त की जानी चाहिए। इन लोगों को बर्खास्त करने की अनुशंसा सरकार के पास जुलाई में ही भेजी गई थी। जिस पर एक्शन लेकर शिंदे सरकार ने दोनों सदस्यों की सेवा समाप्त कर दी। क्योंकि वे दोनों किशोर न्याय अधिनियम के तहत मिली अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर रहे थे। शिंदे सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी किया, जिसमें कहा गया कि जांच के दौरान दानवड़े और थोराट को दोषी पाया गया है। वे दोनों पद पर रहते हुए उसका दुरुपयोग कर रहे थे। इसलिए सरकार इन दोनों सदस्यों की सेवा को समाप्त करना उचित समझती है।

बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति का आदेश... प्रसाद की गुणवत्ता और शुद्धता के लिए एसओपी जारी

देहरादून। तिरुपति मंदिर प्रसाद में मिलावट का मामला सामने आने के बाद उत्तराखंड में बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति भी सतर्क है। समिति ने बद्रीनाथ, केदारनाथ धाम के अलावा बीकेटीसी के अधीन आने वाले मंदिरों में भोग और प्रसाद की गुणवत्ता और शुद्धता के लिए एसओपी जारी कर दी है। जिसके बाद साल भर में एक बार फूड सेफ्टी ऑडिट करना होगा। वहीं बद्री-केदार मंदिर समिति ने भी बद्रीनाथ, केदारनाथ धामों के साथ समिति के अधीन आने वाले मंदिरों में भोग और प्रसाद की गुणवत्ता-शुद्धता के लिए एसओपी जारी की है। इस एसओपी के तहत मंदिरों के लिए बनने वाले भोग-प्रसाद को तैयार करने, प्रसाद में इस्तेमाल होने वाली खाद्य सामग्री भंडारण के साथ ही निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। यह भी कहा गया है कि साल भर में एक बार भोग प्रसाद का फुल सेफ्टी ऑडिट कराया जाएगा। इसमें भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की ओर से अधिकृत प्रयोगशाला में खाद्य सामग्री की जांच कराई जाएगी। प्रसाद और भोग में इस्तेमाल होने वाले चावल, तेल, मसाले और केसर की जांच करने के साथ ही सभी सामग्री किसी भरोसेमंद व्यापारी से खरीदने के निर्देश दिए गए हैं। भोग और प्रसाद बनाने के लिए इस्तेमाल में आने वाले तेल को ज्यादा से ज्यादा तीन बार प्रयोग में लाने को कहा गया हैं।

लखीमपुर में तेंदुए का खौफ.....वन विभाग की सारी कोशिशें हो रहीं नाकाम

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर जनपद के शारदा नगर वन क्षेत्र में तेंदुए का खौफ बना हुआ है, जबकि महेशपुर वन रेंज में एक बाघ पिछले एक माह से लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा है। शारदा नगर वन क्षेत्र के गंगा बेहड़ गांव के समीप एक 8 वर्षीय किशोर पर तेंदुए ने हमला किया था, जिसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद से वन विभाग सक्रिय हुआ और तेंदुए को पकड़ने में जुट गया है। इसके अलावा, ड्रोन कैमरों के जरिए तेंदुए की लोकेशन ट्रेस करने के प्रयास जारी हैं। बरसात के मौसम में जंगलों में पानी भर जाने के कारण वन्य जीव रिहायशी इलाकों की ओर निकल आते हैं, इससे इलाकों में तेंदुए, बाघ और अन्य जंगली जानवरों का आतंक फैल रहा है। खीरी जिले में इन जंगली जानवरों के लगातार बढ़ते आतंक के कारण ग्रामीण अपने खेतों में जाने से डर रहे हैं और बच्चों को स्कूल भेजने में भी भय बना हुआ है।

दिल्ली एमसीडी का एक्शन, 84 फैक्ट्रियों को किया सील.....7 की लाइट बंद

नई दिल्ली ।दिल्ली नगर निगम ने नियमों के उल्लंघन में 84 फैक्ट्रियों को सील किया और सात की बिजली आपूर्ति रोक दी है। एमसीडी के अधिकारी ने कहा कि यह कार्रवाई औद्योगिक प्रदूषण को रोकने और गैर कारोबारी क्षेत्रों में अवैध संचालन को नियंत्रित करने के लिए की गई। एमसीडी ने सितंबर में गैर व्यवसायिक क्षेत्रों में मौजूद 520 औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया। जहां 70 प्रतिशत प्लॉटों का उपयोग जोनिंग नियमों के तहत औद्योगिक उद्देश्यों के लिए होता है। इसमें 84 इकाइयों को नियमों के उल्लंघन के कारण सील किया गया। दिल्ली में 27 गैर-अनुरूप या गैर-योजनाबद्ध औद्योगिक क्षेत्र हैं। इसमें प्रमुख रूप से उत्तर पश्चिमी दिल्ली का रिठाला इलाका है, जहां विशेष ध्यान है। इन उद्योगों के यमुना नदी में प्रदूषण स्तर बढ़ने के बारे में बताया गया कि सभी प्रदूषणकारी उद्योग, चाहे वे किसी भी स्थान पर हों, यमुना के प्रदूषण में योगदान करते हैं। एमसीडी इसतरह के उद्योगों के खिलाफ व्यापक रूप से काम कर रही है। वे यमुना के आसपास हैं या नहीं, इसका ज्यादा महत्व नहीं है। इन प्रयासों के बावजूद कारखानों से अनुपचारित अपशिष्ट और इसमें छोड़े जा रहे सीवेज के कारण यमुना के पानी में बदबू बनी हुई है। नदी में जहरीले झाग और गंभीर प्रदूषण को लेकर चिंता बढ़ रही है।

एक और नाबालिग लड़की से दुष्कर्म, विधर्मी ने कई बार बनाया अपनी हवस का शिकार

सूरत । मंगलवार को सूरत के बोरसरा में नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप की घटना के बाद अब जिले के मांडवी में 14 साल की किशोरी से दुष्कर्म की घटना सामने आई है7 विधर्मी शख्स ने अनेकों बार नाबालिग लड़की को अपनी हवस का शिकार बनाया। मामला तब सामने आया जब पीड़िता गर्भवती हो गई।

कभी फ्रांस का गुलाम रहे लाओस जाएंगे पीएम मोदी, चीन की बढ़ी टेंशन

-आसियान राष्ट्रों की बैठक में लेंगे भाग, क्षेत्रीय तनाव निपटने होगी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी आसियान राष्ट्रों के संगठन की बैठक में हिस्सा लेने दो दिवसीय यात्रा पर लाओस जा रहे हैं। लाओस एक छोटा सा देश है, जिसकी कुल आबादी 75 लाख के आसपास है। भारत में बिहार की राजधानी पटना की कुल आबादी भी मौजूदा वक?त में करीब 75 लाख ही है। 1945 तक फ्रांस का गुलाम रहा था लाओस। पीएम मोदी के लाओस दौरे से चीन टेंशन में आ गया है।

दक्षिण चीन सागर में ड्रैगन की दादागिरी से हर कोई वाफिफ है। चीन अपने सभी पड़ोसियों पर धोंस जमाने की कोशिश करता रहता है। इन देशों में लाओस भी शामिल है। साल 2014 में जब पीएम मोदी सत्ता में आए थे तब उन्होंने एक्ट ईस्ट पॉलिसी पर काफी ज्यादा जोर दिया था। इसी कड़ी में भारत ने म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों तक सड़क बनाने पर जोर दिया था। आसियान देशों में चीन शामिल नहीं है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इस संगठन में ज्यादातर चीन की दादागिरी से परेशान देश शामिल हैं।

चीन हमेशा से ही हिन्द महासागर में भारत के पड़ोसी देश जैसे श्रीलंका, मालदीव, बांग?लादेश और म्यांमार पर दबाव बनाने की कोशिश करता रहता है। चीन इन देशों को अपने कर्ज जाल में फंसाना चाहता है। इस पॉलिसी में वह कुछ हद तक कामयाब भी हुआ है। उसकी चाल हिन्द महासागर में भारत को घेरने की भी है। भारत इस तर्ज पर साउथ चाइना सी में चीन के दुश्मन देशों में तेजी से अपनी पैंठ बढ़ा रहा है, जिससे चीन तिलमिलाया हुआ है।

इस बार आसियान बैठक का मुद्दा म्यांमार में लंबे समय से चल रहे गृह युद्ध और दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय तनाव से निपटने पर ध्यान केंद्रित करना है। आसियान के 10 सदस्य देशों में इंडोनेशिया, थाईलैंड, सिंगापुर, फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया, म्यांमार, कंबोडिया, ब्रुनेई और लाओस हैं। ज्यादातर देश चीन की इस रीजन में भूमिका से नाराज हैं।

विधायक दल के नेता चुने गए उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। उमर अब्दुल्ला को गुरुवार को सर्वसम्मति से नेशनल कांफ्रेंस का विधायक दल का नेता चुना गया। पार्टी के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने इसकी जानकारी दी। फारूक ने कहा, पार्टी के विधायक दल की बैठक हुई, जिसमे उमर को सर्वसम्मति से दल का नेता चुना गया। उन्होंने कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया को लेकर आगे बढ़ने के लिए शुक्रवार को चुनाव पूर्व गठबंधन के साझेदारों की बैठक होगी। इसके पहले नेशनल कांफ्रेंस के नवनिर्वाचित विधायकों ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अपना नेता चुनने के लिए पार्टी के मुख्यालय नवा-ए-सुबह में बैठक की। विधायक दल का नेता ही संभवत- मुख्यमंत्री होगा। नेशनल कांफ्रेंस ने हाल में संपन्न चुनाव में 42 जबकि उसके गठबंधन साझेदारों कांग्रेस ने छह और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने एक सीट जीती है। इस तरह 95 सदस्यीय विधानसभा में गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ है। विधायकों की बैठक पार्टी के अध्यक्ष और उमर अब्दुल्ला के पिता फारूक अब्दुल्ला ने बुलाई थी।

मंत्री नंद गोपाल नंदी ने प्रयागराज शक्तिपीठ मां आलोप शंकरी देवी मंदिर में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारम्भ

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज।

मिशन शक्ति शारदीय नवरात्रि के अवसर पर गुरूवार को "नारी उत्थान एवं महिला सशक्तिकरण" विषयक अभिलेख प्रदर्शनी के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन शक्तिपीठ मॉ आलोप शंकरी देवी मंदिर परिसर, अलोपीबाग प्रयागराज में क्षेत्रीय अभिलेखागार (संस्कृति विभाग), प्रयागराज की ओर से किया गया कार्यक्रमों का शुभारंभ मन्त्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी एवं श्रीमती गीता विश्वकर्मा सदस्य महिला आयोग, उत्तर प्रदेश ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया उन्होंने यहां लगाई गयी "नारी उत्थान एवं महिला सशक्तिकरण" विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए उन्होंने संस्कृति विभाग की सराहना की सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत देवी गायन सुप्रसिद्ध गायिका श्रीमती प्रियंका चौहान और मोहिनी श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई उन्होंने गणेश वंदना के साथ गायन प्रारम्भ किया तथा माँ अलोपीन झूले झूला...., मैया घर में दियना बार अइनी..., प्यारा सजा है तेरा द्वारा भवानी.....,निमिया के डाढ़ी मैया झूलेली झूलनवा....,ऐसा प्यार बहा दें मैया चरणों से लग जायूं...आदि भाव पूर्ण भजन प्रस्तुत किये उपस्थित अतिथि और श्रद्धालु गण भजन सुनकर आनंदित हुए

सभी अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम का संयोजन राकेश कुमार वर्मा प्राविधिक सहायक द्वारा किया गया गुलाम सरवर पाण्डुलिपि अधिकारी/प्रभारी क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया

इस अवसर पर अनिल गुप्ता उर्फ अन्नू भैया-कमांडेंट नागरिक सुरक्षा विभाग, डा.शशिकान्त मिश्रा,डा.कुलभूषण पटेल, डा0 अंगद पटेल सदस्य भाजपा, उमेश चन्द्र कनोजिया, बृजमोहन, राजेन्द्र तिवारी 'दुकानजी', हरिश्चन्द्र दुबे, अजय कुमार मौर्य, मो. शफीक, श्री शुभम कुमार आदि सहित मंदिर में आये हुए भक्तगणों की उपस्थिति रही।

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। नवरात्रि के पावन पर्व पर बजरंग दूर्गा पुजा समिति के पंडाल में सुप्रसिद्ध गायक महुआ चैनल के कलाकार शिव चंद " दिवाना " ने आपने देवी गीत माई के चुनरी बा लाल लाल हो, माई विध्यवासिनी सब पर कृपा बनाये रखिह, अचारों हमको छिपाए रखिए,, से पंडाल में आए हुए सभी भक्तों को नाचते हुए जयकारों से भक्तिमय बना दिया वही साथ ही भोजपुरी गायक टिंकू पाण्डेय, कुलदीप पाण्डेय ने भी एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किया बजरंग दूर्गा पुजा पंडाल बटऊपुर में प. शिव प्रकाश,राकेश यादव, किशुनीपुर ग्राम प्रधान पति निरज पाण्डेय, रामचंद्र पाण्डेय,आलोक मिश्र, ध्यानेद्रपाण्डेय,मटू पाण्डेय, मिन्नी पाण्डेय,लक्ष्मी कात पाण्डेय(पत्रकार), नागेन्द्र यादव, अरुण शर्मा, घनश्याम, करण, समेत क्षेत्र के सभी भक्त मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश में अवैध शराब तस्करों पर कसा जा रहा शिकंजा, भारी मात्रा में शराब पकडा

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के आदेश के क्रम में पुलिस आयुक्त, लखनऊ एवं ज़िलाधिकारी, लखनऊ के निर्देशन में आगामी त्योहारों के दृष्टिगत अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर प्रभावी रोकथाम हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत आबकारी टीम लखनऊ द्वारा मुखबिर से गैर प्रांतीय मदिरा की तस्करी की सूचना पर थाना इटौंजा, कमिशनरेट लखनऊ अंतर्गत इटौंजा टोल, सीतापुर रोड के पास एक ट्रक कंटेनर संख्या ।क्र65क्र9330 में अवैध रूप से ले जाई जा रही 893 पेटी कुल 10716 बोतल गैर-प्रान्तीय विदेशी मदिरा ब्रांड रायल पार्टी बरामद की गई उक्त मदिरा काशीपुर ब्रेवरीज प्राइवेट लिमिटेड , काशीपुर, उधम सिंह नगर , उत्तराखंड के प्रभारी आबकारी अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर से फर्जी पास बनाकर अवैध तरीके से कथित रूप से अरूणांचल प्रदेश ले जाई जा रही थी किंतु उक्त मदिरा को त्योहारों के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश में ही खपाने की साजिश थी उक्त के क्रम में चालक राकेश कुमार पुत्र- राम कृशन, ग्राम व पोस्ट- दुराना, थाना-अंबाला सदर, जिला- अंबाला, हरियाणा एवं सहायक कंडक्टर संजीव कुमार पुत्र- नंद लाल, 2591/1, निकट हनी पैलेस थाना-अंबाला सदर, जिला- अंबाला, हरियाणा के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं मे थाना इटौंजा लखनऊ कमिश्नरेट में अभियोग पंजीकृत कर दोनो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया इस कार्यवाही में अभिषेक सिंह, आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र 4 लखनऊ , श्रीमती रिचा सिंह, आबकारी निरीक्षक सेक्टर 2 तथा शिखर कुमार मल्ल, आबकारी निरीक्षक सेक्टर 6, संजीव कुमार तिवारी, आबकारी निरीक्षक, प्रवर्तन लखनऊ तथा प्रदीप भारती आबकारी निरीक्षक, प्रवर्तन लखनऊ मय स्टाफ़ मौजूद रहे आगामी त्योहारों के दृष्टिगत अवैध मदिरा के विरुध प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

चुनावी ड्यूटी से लौट रहे जवानों के साथ स्पेशल ट्रेन में हुआ भद्दा मजाक

- सीआरपीएफ के 700 जवान 48 घंटे रहे भूखे

रायपुर (एजेंसी)। देश का सबसे बड़ा केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ के जवानों से साथ रेलवे की खानपान एजेंसी ने भद्दा मजाक किया है। मामला जम्मू कश्मीर के सांबा से चली स्पेशल ट्रेन 00328 का है। इसमें सीआरपीएफ की 10 कंपनियां, (लगभग 700 सौ जवान) सवार थीं। रायपुर जा रही गाड़ी में जवानों को 48 घंटे तक डिनर मुहैया नहीं कराया गया। जवानों ने केवल दो वक्त के ब्रेक फास्ट में ही काम चलाया। उनके साथ रेलवे की खानपान एजेंसी की तरफ से भद्दा मजाक किया गया। अगले स्टेशन पर मिलेगा खाना, ये कह कर उन्हें भूखे पेट यात्रा करने के लिए मजबूर किया जाता रहा। सीआरपीएफ जवानों को ला रही यह स्पेशन ट्रेन गुरुवार को दोपहर बाद रायपुर पहुंची है।

विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक, इस स्पेशल ट्रेन को सात अक्टूबर को सांबा से चलना था। किन्हीं कारणों से यह गाड़ी लेट हो गई। इसके बाद 8 अक्तूबर को सुबह तीन बजे ये गाड़ी रायपुर के लिए रवाना हुई। सांबा से चलने के बाद जवानों को अंबाला स्टेशन पर ब्रेकफास्ट मुहैया कराया गया। इसके बाद उन्हें पूरा दिन कुछ नहीं मिला। उन्हें बताया गया कि दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लंच मिलेगा। गाड़ी शाम को आठ बजे पहुंची, ऐसे में लंच का समय तो निकल गया। दिल्ली में उन्हें जो खाना देने का प्रयास हुआ, उसकी क्वालिटी बहुत घटिया थी। जवानों के मुताबिक, वह खाना सुबह का बना हुआ था। ऐसे में जवानों ने खाना लेने से मना कर दिया। दिल्ली रेलवे स्टेशन पर संबंधित एजेंसी के कर्मचारियों से फ्रेश खाना मुहैया कराने का आग्रह किया गया। रेलवे की तरफ से जवाब दिया गया कि ये संभव नहीं है। हमने अपने उच्च अधिकारियों से बात कर ली है कि अब आपको आगरा में बढ़िया खाना मिलेगा। उन्होंने फोन नम्बर भी दिया। इसके बाद भूखे पेट ही जवान आगे चल पड़े। आगरा में खाना मुहैया कराने के लिए जिस व्यक्ति का फोन, सीआरपीएफ अफसरों को दिया गया था, वह फोन ही नहीं मिल सका। कई बार फोन ट्राई किया गया।

कटनी में रात 12 बजे डिनर- भूखे पेट यात्रा कर रहे जवानों को 9 अक्टूबर को झांसी में ब्रेकफास्ट दिया गया। इसके बाद रात को कटनी में रात 12 बजे डिनर मिला। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में जब भी रेलवे एजेंसी के किसी अधिकारी/ठेकेदार से बातचीत की जाती तो वे पल्ला झाड़ लेते। एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालने लगते। वे कहते कि आप आगे बात कर लें। ट्रेन लेट है, इसलिए अब तो खाना नहीं मिल पाएगा। अब कोई शेड्यूल नहीं है। रेल में लंच और डिनर तो शेड्यूल पर ही मिलता है। जवानों को अब अगले दिन की चिंता थी। जब डिनर दिया गया तो उन्होंने पैक लंच भी देने की बात कही। इसके लिए संबंधित एजेंसी ने जवानों को मना कर दिया।

दिल्ली सीएम आवास को लेकर सियासत, बिना आवंटित हुए ही रहने पहुंच गईं आतिशी

-सामान बाहर निकालकर पीडब्ल्यूडी ने लगाया डबल लॉक, आवास किया सील

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सीएम आवास को लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया है, जिस बंगले में अरविंद केजरीवाल रह रहे थे, उस बंगले में दिल्ली की मौजूदा सीएम आतिशी का सामान पहुंचने के बाद पीडब्ल्यूडी ने बंगले को सील कर डबल लॉक लगा दिया है।

आरोप है कि अरविंद केजरीवाल ने ये बंगला अभी तक पीडब्ल्यूडी को नहीं सौंपा है और उससे पहले ही मौजूदा सीएम आतिशी का सामान बंगले में पहुंच गया, जबकि इस आवास का मालिक पीडब्ल्यूडी है। किसी भी सरकारी घर के खाली होने पर पीडब्ल्यूडी उसका कब्जा लेता है और उसकी इन्वेनटरी बनाता है, उसके बाद ही घर किसी और को आवंटित किया जाता है। वहीं, इस दिल्ली सरकार बंगले को खाली करने को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल बंगले की चाबी एक अधिकारी को सौंपती हुई दिख रही हैं। साथ ही वीडियो में दावा किया गया है कि केजरीवाल ने सीएम आवास खाली कर दिया है, लेकिन इसके बाद 6 अक्टूबर को पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने दिल्ली के सीएम के स्पेशल सेक्रेटरी को चिट्ठी लिखी और कहा कि इस बंगले की चाबी सौंपने के कुछ वक्त बाद ही वापस ले ली गई थीं और बंगला पूरी तरह पीडब्ल्यूडी को हैंडओवर नहीं किया गया है।

बता दें केजरीवाल द्वारा खाली किए गए बंगले की चाबी पीडब्ल्यूडी अधिकारी को सौंपी जानी थी, लेकिन सुनीता केजरीवाल वीडियो में जिसे चाबी सौंप रही हैं वह पीडब्ल्यूडी के अधिकारी नहीं है, बल्कि सीएम के स्पेशल सेक्रेटरी प्रवेश रंजन झा हैं।

एलजी हाउस के सूत्रों के मुताबिक जिस आवास में अभी तक अरविंद केजरीवाल रह-रहे थे, वह आधिकारिक सीएम आवास नहीं है, इसका मालिक पीडब्ल्यूडी है। उसे ही ये बंगला आवंटित करने का अधिकार है, जबकि अभी इस बंगले के कंस्ट्रक्शन को लेकर विजिलेंस की जांच चल रही है। ये आवास सीएम आतिशी को आवंटित भी नहीं किया गया था तो उनका सामान यहां कैसे पहुंच गया? जबकि उन्हें तो पहले से ही 17एबी मथुरा रोड का आवास आवंटित है। ऐसे में उन्हें दो घर कैसे आवंटित हो गए?

जानकारी के मुताबिक पीडब्ल्यूडी ने इस बंगले को सील कर दिया है और दिल्ली के विजिलेंस डिपार्टमेंट ने पीडब्ल्यूडी के दो सेक्शन ऑफिसर और दिल्ली के मुख्यमंत्री के स्पेशल सेक्रेटरी को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है।

वहीं बीजेपी ने आरोप लगाया था कि अरविंद केजरीवाल ने सीएम आवास खाली नहीं किया है, सिर्फ एक वीडियो जारी कर ड्रामा किया है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी आरोप लगा रही है कि बीजेपी इस बंगले पर कब्जा करना चाहती है और एलजी के निर्देश पर सीएम आतिशी का सारा सामान बाहर निकाल दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण कोरिया के किम ने दक्षिण कोरिया, अमेरिका के खिलाफ परमाणु हमले की फिर से धमकी दी

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि वह

दक्षिण कोरिया और अमेरिका के साथ संभावित संघर्ष में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। किम ने दोनों देशों पर उत्तर कोरिया को युद्ध के लिए उकसाने और कोरियाई प्रायद्वीप में दुश्मनी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। किम पहले भी कई बार इस तरह की धमकी दे चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि किम की ये हालिया चेतावनी अमेरिका में अगले महीने होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले उत्तर कोरिया द्वारा दुश्मनी को बढ़ावा देने के इरादे से दी गई है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) के अनुसार, किम जोंग उन ने अपने नाम पर बने विश्वविद्यालय ''किम जोंग उन यूनिवर्सिटी ऑफ नेशनल डिफेंस'' में सोमवार को अपने संबोधन में कहा कि अगर उत्तर कोरिया के खिलाफ सशस्त्र बलों का उपयोग करने का प्रयास किया जाता है तो उत्तर कोरिया ''बिना किसी हिचकिचाहट के अपने शत्रुओं के खिलाफ अपनी सारी आक्रामक क्षमताओं का उपयोग करेगा।'' उन्होंने कहा, ''इस स्थिति में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से इनकार नहीं किया जा सकता है।'' अमेरिका और दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु हथियारों के उपयोग का प्रयास किम सरकार के पतन का कारण बनेगा।

नाइजीरिया में नाव दुर्घटना के बाद 11 लोगों को बचाया गया, 21 लापता

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के दक्षिण-पश्चिमी राज्य लागोस में दो नावों के टकराने से बड़ा हादसा हो गया जिसमें 11 घायल व्यक्तियों को बचाया गया है और 21 अन्य अभी भी लापता हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, मंगलवार को लागोस में पुलिस प्रवक्ता बेंजामिन हुंडेयिन ने बताया कि 16 यात्रियों और चालक दल को ले जा रही दो नौकाएं सोमवार रात को अमुवो-ओडोफिन स्थानीय सरकारी क्षेत्र के इमोर शहर में टकराने के बाद लैगून के बीच में पलट गईं। हुंडेयिन के अनुसार, पीड़ितों में ज्यादातर व्यापारी थे। उन्होंने बताया कि आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम, जिसमें पारंपरिक और समुद्री पुलिस तथा स्थानीय गोताखोर शामिल थे, तेजी से मौके पर पहुंची और 11 घायल यात्रियों को बचाया गया। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हुंडेयिन ने कहा कि अन्य पीड़ितों का पता नहीं चल सका, बचाव अभियान जारी है और घटना की जांच शुरू कर दी गई है। आपको बताते चलें, नाइजीरिया में नाव दुर्घटनाएं आम होती जा रही हैं, जो अक्सर अधिक भार, प्रतिकूल मौसम की परिस्थितियों और संचालन में गलतियों के कारण होती हैं।

स्विट्ज़रलैंड में बांग्लादेश सरकार के खिलाफ उठी आवाज, प्रवासी बांग्लादेशियों की मांग- शेख हसीना को लाओ वापस

जेनेवा, एजेंसी। बांग्लादेशी प्रवासी समुदाय ने स्विट्ज़रलैंड के जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र के सामने ब्रोकन चेयर के पास एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। यह आयोजन इंटरनेशनल फोरम फॉर सेक्युलर बांग्लादेश द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका शीर्षक था 5 अगस्त के बाद: मानवता के खिलाफ अपराध और खुलेआम मानवाधिकारों का उल्लंघन। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और देश के संस्थापक नेता शेख मुजीबुर रहमान के समर्थन में नारे लगाए। उन्होंने मौजूदा सरकार, जिसका नेतृत्व मोहम्मद युनूस कर रहे हैं, के खिलाफ बैनर और पर्चे लेकर विरोध किया। इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन, जेनेवा के अध्यक्ष रहमान खलील उर रहमान ने कहा, हम बांग्लादेशी प्रवासी समुदाय के लोग संयुक्त राष्ट्र के सामने युनूस सरकार के खिलाफ अपनी आवाज उठाने के लिए खड़े हुए हैं, जो इस्लामी कट्टरपंथ पर निर्भर है। बांग्लादेश अब धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक नहीं रहा; यह इस्लामी चरमपंथ और आतंकवाद की ओर बढ़ रहा है। जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में इस पर कई रिपोर्टें आ सकती हैं। रहमान ने बांग्लादेश में बिगड़ते हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, शेख हसीना जल्द ही सत्ता में लौटेंगी, क्योंकि देश विनाश के कगार पर है। हर दिन, लेखकों और मानवाधिकार रक्षकों की निर्मम हत्या और यातना की खबरें आ रही हैं। हम आपसे युनूस सरकार के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित करने का आग्रह करते हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान देशभक्ति का माहौल था, क्योंकि प्रतिभागियों ने देश का राष्ट्रीय गान गाया और अपने देश और नेताओं के प्रति गहरा लगाव व्यक्त किया।

नेपाल में विश्व की सातवीं सबसे ऊंची चोटी से फिसलकर 5 रूसी पर्वतारोहियों की मौत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में विश्व की सातवीं सबसे ऊंची चोटी 'माउंट धौलागिरी से फिसल जाने से पांच रूसी पर्वतारोहियों की मौत हो गई है। पर्वतारोही अभियान संचालित करने वाले एक आयोजक ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रूसी पर्वतारोही नेपाल के शरदकालीन पर्वतारोहण सत्र के दौरान 8,167 मीटर ऊंचे माउंट धौलागिरी शिखर के लिए चढ़ाई चढ़ रहे थे। काठमांडू स्थित 'आई एएम ट्रैकिंग एंड एक्सपीडिशन के पेम्बा जंगबू शेरपा ने बताया कि ये पर्वतारोही रविवार से लापता थे और मंगलवार को राहत बचाव के लिए निकले एक हेलीकॉप्टर ने उनके शव देखे। शवों को माउंट धौलागिरी से नीचे कब और कैसे लाया जाएगा, यह अभी तय नहीं हो सका है।

हिजबुल्ला को मिले नए कमांडर, इजरायल को दे दी धमकी; कई शहर निशाने पर

बेरूत, एजेंसी। हिजबुल्ला के कार्यकारी नेता शेख नईम कासिम ने धमकी दी है कि इजरायल के और नागरिकों को विस्थापित होना पड़ेगा क्योंकि उसका समूह इजरायल के भीतरी इलाकों को निशाना बनाते हुए रॉकेट दाग रहा है। कासिम ने मंगलवार को टेलीविजन पर एक बयान जारी किया। कासिम ने यह बयान ऐसे समय दिया है जब हिजबुल्ला द्वारा इजरायल को निशाना बनाते हुए किए जा रहे हमलों को आज एक वर्ष पूरा हो गया है। हिजबुल्ला ने आठ अक्टूबर, 2023 को उत्तरी इजरायल में रॉकेट दागना शुरू किया था।

कासिम ने कहा कि उसके समूह की सैन्य क्षमताएं अभी भी बरकरार हैं और उसने लेबनान के एक बड़े हिस्से पर कई सप्ताह तक इजरायल के हवाई हमलों के बाद अपने वरिष्ठ कमांडरों की जगह नए कमांडर नियुक्त कर दिए हैं। इजरायल के इन हमलों में लेबनान के शीर्ष कमान के अधिकांश सदस्य मारे गए थे।

उन्होंने यह भी कहा कि पिछले सप्ताह लेबनान में जमीनी अभियान शुरू करने के बाद इजरायली सेना आगे नहीं बढ़ पाई है। इजरायली सेना ने कहा है कि अब चौथी डिवीजन जमीनी अभियान में हिस्सा ले रही है, जो पश्चिम की ओर फैल गया है। हालांकि अभियान अभी भी सीमा के साथ लगी एक संकरी पट्टी तक ही सीमित नजर आ रहा है। इजरायली सेना का कहना है कि उसने सीमा पर आतंकवादी ढांचे को नष्ट कर दिया है और हिजबुल्ला के सैकड़ों लड़ाकों को मार गिराया है। मंगलवार को उसने कहा कि बेरूत में एक हमले में सुहैल हुसैनी मारा गया। इजरायली सेना ने हुसैनी को हिजबुल्ला समूह के रसद, बजट और प्रबंधन की देखरेख करने वाला एक वरिष्ठ कमांडर बताया। हिजबुल्ला की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई, तथा दोनों पक्षों द्वारा युद्ध को लेकर किये गए दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करने का कोई तरीका नहीं है। कासिम ने एक वीडियो संबोधन में कहा, 'हम सैकड़ों रॉकेट और दर्जनों ड्रोन दाग रहे हैं। बड़ी संख्या में बस्तियां और शहर हमारी जवाबी कार्रवाई के निशाने पर हैं। हमारी क्षमताएं मजबूत हैं और हमारे लड़ाके अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं।' उन्होंने कहा कि हिजबुल्ला का शीर्ष नेतृत्व युद्ध की रणनीति तय कर रहा है और इजरायली हमले में जो कमांडर मारे गए हैं, उनकी जगह नए कमांडर नियुक्त कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे यहां कोई पद रिक्त नहीं है।'' उन्होंने कहा कि हसन नसरल्लाह की जगह लेने के लिए हिजबुल्ला एक नए नेता का नाम तय करेगा, ''हालांकि युद्ध के कारण परिस्थितियां कठिन हैं।'' हसन नसरल्लाह पिछले महीने बेरूत में एक भूमिगत अड्डे में इजरायली हवाई हमले में मारा गया था। इजरायली सेना ने कहा कि मंगलवार को लेबनान से उत्तरी इजरायल की ओर 85 मिसाइल दागी गईं। इजरायली सेना ने कहा कि इजरायल की हवाई रक्षा ने अधिकांश रॉकेट को नष्ट कर दिया। 70 वर्षीय एक महिला छर्रे लगने से मामूली रूप से घायल हो गई और इजरायली मीडिया ने तटीय शहर हाइफा के पास इमारतों को मामूली नुकसान पहुंचने की फुटेज प्रसारित की। इजरायली सेना ने यह भी कहा कि उसने दक्षिणी बेरूत उपनगरों में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला किया, जिसे दहियाह के नाम से जाना जाता है, जहां समूह का मुख्यालय है। हिजबुल्ला ने आठ अक्टूबर, 2023 को उत्तरी इजरायल में रॉकेट दागना शुरू किया था। उससे एक दिन पहले गाजा से इजरायल में हमास के आश्चर्यजनक हमले ने युद्ध को भड़का दिया था। हिजबुल्ला और हमास दोनों ईरान के सहयोगी हैं और हिजबुल्ला का कहना है कि उसके हमले का उद्देश्य फलस्तीनियों की सहायता करना है। लेबनानी चरमपंथी समूह ने कहा है कि अगर गाजा में संघर्ष विराम होता है तो वह हमले रोक देगा, लेकिन उस मोर्चे पर महीनों के कूटनीतिक प्रयास बार-बार अवरूद्ध हुए हैं। इजरायल ने हाल के हफ्तों में हिजबुल्ला के खिलाफ़ कई हमले किए हैं और कहा है कि वह तब तक लड़ता रहेगा जब तक कि हजारों विस्थापित इजरायली नागरिक उत्तर में अपने घरों को वापस नहीं लौट जाते। सितंबर के मध्य में शुरू हुई लड़ाई में लेबनान में 1,300 से अधिक लोग मारे गए हैं और 10 लाख से ज़्यादा लेबनानी विस्थापित हो गए हैं। तब से, हिजबुल्ला रॉकेट से मध्य इजरायल को निशाना बना रहा, जिससे देश के वाणिज्यिक केंद्र तेल अवीव में हवाई हमले के सायरन बजने लगे हैं। यमन में ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों ने भी मिसाइल दागी हैं जो मध्य इजरायल तक पहुंची हैं। अधिकांश मिसाइल को हवा में ही मार गिराया गया है या ये खुले क्षेत्रों में गिरी हैं। हालांकि इससे इजरायल में जीवन बाधित हुआ है, लेकिन कुछ लोग हताहत हुए हैं और संपत्ति को थोड़ा नुकसान हुआ है।

बाइडेन ने इजरायली सैनिकों के राफा में घुसने के बाद नेतन्याहू को झूठा कहा

तेल अवीवी, एजेंसी। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, बाइडेन और नेतन्याहू के बीच उनके कार्यकाल के दौरान संबंध

काफी खराब रहे हैं. हालांकि दोनों दशकों से एक-दूसरे को जानते हैं, लेकिन व्हाइट हाउस ने प्रधानमंत्री की ओर से 2022 के अंत में उग्र दक्षिणपंथी लोगों के साथ गठबंधन बनाने की तीखी आलोचना की थी और 2023 में सरकार की न्यायिक सुधार योजनाओं के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की थी.

बाइडेन युद्ध के समय में इजराइल का दौरा करने वाले इतिहास के पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने, 18 अक्टूबर, 2023 को तेल अवीव पहुंचे और देश और उसके लोगों के साथ गहरी एकजुटता व्यक्त की. लेकिन पिछले एक साल में, दोनों नेताओं ने युद्ध से निपटने के नेतन्याहू के तरीके और चल रही बंधक वार्ताओं को लेकर सार्वजनिक और निजी तौर पर मतभेद प्रदर्शित की है. इजराइल के राफा में प्रवेश करने के बाद, बाइडेन ने नेतन्याहू के बारे में कहा कि वह एक झूठा व्यक्ति है. वुडवर्ड के अनुसार, बाइडेन ने निजी तौर पर अपशब्द का प्रयोग करते हुए कहा कि नेतन्याहू एक बुरा आदमी है. वह एक बुरा आदमी है! पोलिटिको ने सबसे पहले रिपोर्ट की थी कि बाइडेन ने फरवरी में नेतन्याहू के बारे में बात करने के लिए इस वाक्यांश का उपयोग किया था, लेकिन व्हाइट हाउस ने तुरंत इनकार कर दिया. अप्रैल में, इजराइल ने सीरिया के दमिश्क में एक ईरानी वाणिज्य दूतावास में दो क्रांतिकारी गार्ड जनरलों की कथित तौर पर हत्या कर दी. अमेरिका और अन्य सहयोगियों द्वारा ईरान द्वारा जवाब में दागी गई अधिकांश मिसाइलों को रोकने में इजराइल की मदद करने के बाद, बाइडेन ने नेतन्याहू से जवाब देने से परहेज करने का आग्रह किया. वुडवर्ड की पुस्तक के अनुसार, बाइडेन ने ईरानी हमले के लिए इजराइल की सीमित प्रतिक्रिया को एक सफलता माना. बाइडेन ने कथित तौर पर सलाहकारों से कहा कि मुझे पता है कि वह कुछ करने जा रहा है, लेकिन मैं इसे सीमित करने का तरीका यह है कि उसे कुछ भी न करने के लिए कहूं. जुलाई में, इजराइल ने बेरूत में हवाई हमले में हिज्बुल्लाह के शीर्ष सैन्य कमांडर फुआद शुक्र को मार डाला.

समुद्री तूफान तबाही मचाने को तैयार, मूसलाधार बारिश के साथ तूफानी हवाओं का खतरा

फ्लोरिडा, एजेंसी। मैक्सिको की खाड़ी में उठा सदी का सबसे बड़ा समुद्री तूफान मिल्टन, आज अमेरिका के फ्लोरिडा और टैम्पा के तट से टकराने वाला है। नेशनल हरिकेन सेंटर ने इस तूफान को कैटेगरी-5 का बताया है, जो 250 से 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं और मूसलाधार बारिश के साथ तबाही मचा सकता है। इसके कारण समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं, और बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। इस विनाशकारी तूफान से करीब 5 करोड़ लोगों का जीवन प्रभावित होने की संभावना है। सरकारी एजेंसियों ने इमरजेंसी लागू कर दी है, और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम जारी है। तूफान फ्लोरिडा और टैम्पा को क्रॉस करने के बाद अटलांटिक महासागर में चला जाएगा। अटलांटिक महासागर की ओर बढ़ते मिल्टन तूफान ने मैक्सिको की खाड़ी में अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है, जिससे अमेरिका के फ्लोरिडा और अन्य तटीय राज्यों में इमरजेंसी लागू कर दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, समुद्र से उठ रही 15 फीट ऊंची लहरों और 18 इंच तक बारिश के साथ तूफानी हवाओं का खतरा मंडरा रहा है, जिससे तटीय इलाकों में भारी नुकसान होने की आशंका है। फ्लोरिडा के गवर्नर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 51 काउंटियों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए।

1973 इजरायल-अरब युद्ध के बाद उत्तरी सिनाई में फिर से शुरू होगी रेल सेवा

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के उत्तरी सिनाई में आधी सदी से भी अधिक समय बाद फिर से रेल सेवा शुरू होगी। यहां 100 किलोमीटर लंबे रेलमार्ग का ट्रायल ऑपरेशन शुरू हो गया है। मिस्र के परिवहन और उद्योग मंत्री कामेल अल-वजीर ने उद्घाटन समारोह में कहा, इस लाइन के शुरू होने से सिनाई से अन्य प्रांतों तक लोगों और माल की आवाजाही आसान हो जाएगी, नए शहरी इलाकों और औद्योगिक क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा मिलेगा, उत्तरी सिनाई में आर्थिक परियोजनाओं को समर्थन मिलेगा।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अल-फरदान-बीर अल-अब्द लाइन सिनाई प्रायद्वीप में रेल संपर्क को आधुनिक बनाने और विस्तार देने के उद्देश्य से एक बडे प्रोजेक्ट का पहला चरण है। मिस्र के परिवहन और उद्योग मंत्रालय ने अल-फरदान को ताबा से जोड़ते हुए लाइन को लगभग 500 किलोमीटर तक विस्तारित करने की घोषणा की। मिस्र एक व्यापक आर्थिक सुधार कार्यक्रम के हिस्से के रूप में अपने परिवहन बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए काम कर रहा है।

1973 के अरब-इजरायल युद्ध के बाद क्षेत्र में संघर्ष और सैन्य अभियानों के कारण सिनाई में ट्रेन सेवाएं काफी हद तक निलंबित कर दी गई थीं। बता दें 1973 अरब-इजरायल युद्ध को योम किप्पुर युद्ध, रमजान युद्ध, जैसे नामों से भी जाना जाता है। युद्ध के दौरान ज्यादातर लड़ाई सिनाई प्रायद्वीप और गोलान हाइट्स में हुई जिस पर 1967 में इजरायल ने कब्जा कर लिया था। कुछ लड़ाई मिस्र और उत्तरी इजरायल में भी हुई।

युद्ध 6 अक्टूबर 1973 को शुरू हुआ, जब अरब गठबंधन ने यहूदी पवित्र दिन योम किप्पुर के दौरान इजरायल पर एक आश्चर्यजनक हमला किया। योम

किप्पुर युद्ध को इस लिहाज से अहम माना जाता है कि इसके बाद अरब देश और इजरायल, दोनों ही पक्ष समझौतावादी रुख अपनाते दिखे। 1978 में कैंप डेविड समझौता हुए, जब इजरायल ने सिनाई प्रायद्वीप को मिस्र को वापस कर दिया और मिस्र-इजरायल शांति संधि हुई, जिसमें पहली बार किसी अरब देश ने इजरायल को मान्यता दी।

ओसामा बिन लादेन के बेटे की फ्रांस में एंट्री बैन : पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की सरकार ने अलकायदा नेता ओसामा बिन लादेन के बेटे उमर बिन लादेन को सोशल मीडिया पर पोस्ट के कारण देश में एंट्री पर रोक लगाने का आदेश दिया है। फ्रांस के आंतरिक मंत्री ने मंगलवार को इस आदेश पर हस्ताक्षर किए। उमर बिन लादेन ने 2023 में सोशल मीडिया पर आतंकवाद के समर्थन में एक पोस्ट किया था। जिसके बाद उसे देश छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। इससे पहले उमर सूडान और अफगानिस्तान में भी रह चुका है। ब्रिटिश महिला से शादी के बाद वह फ्रांस में रह रहा था। सऊदी अरब में जन्मे उमर बिन लादेन ने अपने शुरुआती साल वहीं बिताए। 43 वर्षीय उमर बिन लादेन सूडान और अफ़गानिस्तान में भी रह चुका है। उमर ने 19 साल की उम्र में अपने पिता को छोड़ दिया था और 2016 में उत्तरी फ्रांस के नॉरमैंडी में बस गया था। वहां उन्होंने पेंटिंग करना शुरू कर दिया। फ्रांस के नए आंतरिक मंत्री ब्रूनो रिटेलो ने एक्स पर कहा कि उमर बिन लादेन एक ब्रिटिश महिला के पति के रूप में नॉर्मंडी में रहता था। मंत्री ने कहा कि जिहादी के बेटे ने 2023 में अपने सोशल नेटवर्क पर आतंकवाद की वकालत करने वाली टिप्पणियां पोस्ट कीं थी। जिसके बाद उस पर ऐक्शन हुआ।

श्रीलंका में इस साल अब तक 40,000 तो अर्जेंटीना में साल के अंत तक 576,000 से अधिक हो जाएंगे डेंगू के मामले

कोलंबो/ ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। राष्ट्रीय डेंगू नियंत्रण इकाई (एनडीसीयू) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष श्रीलंका में अब तक 40,000 से अधिक डेंगू के मामले सामने आए हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार एनडीसीयू ने बताया कि अब तक 40,109 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 19 की मौत हो चुकी है। पश्चिमी प्रांत में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए, जो कुल मामलों का 42.3 प्रतिशत है। उत्तरी प्रांत दूसरे स्थान पर है जहां डेंगू के 12 प्रतिशत मामले हैं, जबकि मध्य प्रांत में 10.3 प्रतिशत मामले हैं। पश्चिमी प्रांत में सबसे अधिक 10,027 मामले कोलंबो जिले से सामने आए हैं। प्रांत में सबसे पीछे गम्पाहा जिला है, जहां 4,698 मामले सामने आए हैं। एनडीसीयू ने डेंगू के लिए 10 उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की भी पहचान की है। एनडीसीयू के अनुसार पिछले साल डेंगू के कुल 88,000 से अधिक मामले सामने आए थे, जिनमें 57 लोगों की मौत हुई थी। अर्जेंटीना में इस वर्ष अब तक डेंगू के मामले 576,000 के पार चले गए है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के

अनुसार स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में राष्ट्रीय महामारी विज्ञान बुलेटिन में यह अनुमान लगाया गया है कि 2024 के पहले 39 हफ्तों में देश भर में डेंगू के कुल 576,728 मामले सामने आए हैं। पिछले कुछ सप्ताहों में अर्जेंटीना ने गर्मी से पहले रोकथाम अभियान पर ध्यान केंद्रित किया है, क्योंकि गर्म और बरसाती मौसम की स्थिति के कारण यह बीमारी तेजी से बढ़ती है। इस अभियान में 48 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में रहने वाले 15 से 39 वर्ष की आयु के लोगों को टीके लगाए जाने शामिल है। यह टीका अभियान 19 सितंबर को शुरू हुआ। वर्तमान में की बात करें तो अर्जेंटीना के उत्तरी भाग में स्थित दो प्रांत चाको और फॉर्मोसा में इस बीमारी के ज्यादा मरीज सामने आए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 14वें एपिडेमियोलॉजिकल वीक के बाद से डेंगू के मामलों में निरंतर गिरावट आई है। लेकिन वहीं अर्जेंटीना के उत्तरी क्षेत्रों में अभी भी मामले सामने आ रहे हैं। इसी के चलते संघीय सरकार और प्रांतों ने डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण के लिए 2024-2025 के लिए रणनीतिक योजना शुरू की गई है। जो प्रत्येक जिले की जरूरतों के अनुकूल काम करेगी।

ट्रंप हारे तो मुझे जेल में डाल दिया जाएगा, एलन मस्क को डर, वो अपने बच्चों को भी नहीं देख पाएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क को डर है कि अगर आगामी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप, कमला हैरिस से हार जाते हैं तो उन्हें जेल भी हो सकती है। मस्क ने ये भी कहा कि अगर कमला हैरिस चुनाव जीतीं तो हो सकता है कि अमेरिका में फिर कभी चुनाव ही नहीं होंगे। एक इंटरव्यू के दौरान मस्क ने ये बातें कही। गौरतलब है कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में एलन मस्क खुलकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं। एंकर टकर कार्लसन के साथ एक इंटरव्यू में एलन मस्क से पूछा गया कि अगर डोनाल्ड ट्रंप चुनाव हार जाते हैं तो क्या होगा? इस सवाल पर पहले ट्रंप चौंके और फिर मुस्कुराते हुए बोले कि अगर ट्रंप चुनाव हारे तो समझो मैं तो गया। आपको क्या लगता है कि मुझे कितने साल की जेल होगी? क्या मैं अपने बच्चों को भी देख पाऊंगा? मुझे नहीं पता। गौरतलब है कि एलन मस्क राष्ट्रपति चुनाव में खुलकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन कर चुके हैं और हाल ही में पेंसिल्वेनिया के बटलर में हुई ट्रंप की रैली में एलन मस्क ने पूर्व राष्ट्रपति के साथ मंच भी साझा किया था और ट्रंप को चुनाव जिताने की अपील की थी। इंटरव्यू के दौरान एलन मस्क ने कहा कि मुझे लगता है कि अगर ट्रंप इन चुनाव में नहीं जीते तो ये अंतिम चुनाव होंगे। अपनी आशंका जताते हुए मस्क ने कहा कि हैरिस बाइडन प्रशासन के दौरान जो लाखों अवैध अप्रवासी अमेरिका आए हैं,

उन्हें नागरिकता दे दी जाएगी और वे भविष्य में हमेशा के लिए डेमोक्रेट पार्टी के मतदाता होंगे। मस्क ने कहा कि ये मेरा अनुमान है कि अगर चार साल और डेमोक्रेट पार्टी की सरकार रही तो वे अगले चुनाव में कई अवैध अप्रवासियों को वैध कर देंगे और फिर अमेरिका में कोई स्विंग स्टेट नहीं होगा, जिससे देश में एक ही पार्टी का शासन होगा। एलन मस्क ने अपने दावे के पक्ष में साल 1986 के इमीग्रेशन रिफोर्म एंड कंट्रोल एक्ट का उदाहरण दिया। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इस कानून के तहत लाखों अवैध अप्रवासियों को अमेरिका की नागरिकता दी गई थी। मस्क ने बताया इसके बाद ही कैलिफोर्निया डेमोक्रेट पार्टी का गढ़ बना है। मस्क ने कहा कि मुझे लगता है कि हम एक लोकतांत्रिक देश बने रहना चाहते हैं और हम एक पार्टी द्वारा शासित देश नहीं बनना चाहते।

अब 7 अक्तूबर की घटना फिर नहीं होगी, हम किसी आतंकी को नहीं छोड़ेंगे, इस्राइली विदेश मंत्रालय का बयान

तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइल के विदेश मंत्रालय के उप-प्रवक्ता एलेक्स गैंडलर ने कहा है कि अब इस्राइल पर हमले की 7 अक्तूबर जैसी घटना फिर कभी नहीं घटेगी। उन्होंने कहा कि हम आतंकियों का सफाया कर देंगे। उन्होंने ईरान पर इस्राइल के खिलाफ प्रोक्सी लड़ाई लड़ने का आरोप लगाया और कहा कि ईरान, इस्राइल को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हमारी सेना बहुत मजबूत है और अभी हम काफी मजबूत स्थिति में हैं।

हम पर चारों तरफ से हमले हो रहे : इस्राइली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम पर चारों तरफ से हमले हो रहे हैं। न सिर्फ गाजा और लेबनान बल्कि कुछ हफ्ते पहले ईरान ने भी हम पर हमला किया था और यमन से भी हमला हुआ। हम इसे इस्राइल पर सात मोर्चों से हमला मानते हैं, लेकिन अभी इस्राइली सेना मजबूत स्थिति में है और हम किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि क्या हालात हैं। ईरान इस्राइल पर रॉकेट्स और अपने द्वारा पाले गए आतंकी संगठनों की मदद से हम पर हमले कर रहा है। इससे बीते एक साल से लड़ाई चल रही है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ हम पर हमला हो रहा है बल्कि समुद्र में हूती विद्रोही हमला कर रहे हैं। कई ताकतें हैं जो इस्राइल को निशाना बना रही हैं और इनके पीछे ईरान है।

इस्राइल में 7 अक्तूबर जैसी घटना दोबारा नहीं होगी : इस्राइली विदेश मंत्रालय के उप-प्रवक्ता ने इस्राइल पर हमास के हमले का एक साल पूरा होने पर कहा कि हमारा संदेश साफ है कि हम हर आतंकी का सफाया करेंगे। 7

अक्तूबर की घटना इस्राइल में दोबारा कभी नहीं होगी। यह हमारे लिए एक बड़ी सीख है। हम लोगों का एक लंबा इतिहास है और हम हमेशा अपनी गलतियों से सीखते हैं। दो देश समझौते पर उन्होंने कहा कि पहले हम अपने रणनीतिक लक्ष्यों को हासिल करेंगे और उसके बाद ही शांति से बात हो सकती है। हम एक ऐसा देश चाहते हैं, जहां लोग शांति से अपने बच्चों के साथ रह सकें।

ईरान एक असफल देश एलेक्स गैंडलर ने कहा कि ईरान एक असफल देश है, जिसकी अर्थव्यवस्था खराब हालत में है। ईरान हम पर हमला करता है, लेकिन उसकी असली ताकत उसके द्वारा खड़े किए गए संगठन हैं। वर्षों के बाद उसने ये संगठन खड़े किए हैं। तेल और गैस से समृद्ध देश इस सारे पैसे को अपने नागरिकों की भलाई में लगा सकता था, लेकिन उसने इस पैसे का इस्तेमाल इस्राइल के खिलाफ प्रॉक्सी (इस्राइल से लड़ने वाले संगठन) तैयार करने में लगाया, लेकिन आज उसके सारे प्रॉक्सी असफल साबित हुए हैं। ईरान बुलगारिया, अर्जेंटीना और लेबनान में आतंकी हमलों में शामिल है। सीरिया में आतंकी हमलों के पीछे भी ईरान है। ईरान ने इस्राइल को तबाह करने के लिए जितने भी संगठन खड़े किए हैं, एक दिन वो सारे तबाह हो जाएंगे। भारत के साथ इस्राइल के संबंध मजबूत गैंडलर ने कहा कि भारत और इस्राइल के संबंध काफी मजबूत हैं। भारत, इस्राइल का अहम सहयोगी है। हम भारत को क्षेत्र में एक मजबूत आवाज के रूप में देखते हैं। मध्यस्थता के लिए कई देश कोशिश कर रहे हैं और बता रहे हैं कि ईरान को क्या करना चाहिए, लेकिन हम चाहते हैं कि सबसे पहले ईरान को संदेश दिया जाए कि क्षेत्र में शांति होनी चाहिए। ईरान के प्रॉक्सी इस्राइल पर हमले बंद करें। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से बीते कुछ हफ्तों से शांति के लिए कोई बात नहीं हुई है। हमास का प्रमुख हसन सिनवार ने जरूर कुछ मध्यस्थतों से बात की है, लेकिन जब से इस्राइल ने हिजबुल्ला के खिलाफ हमले शुरू किए हैं, तब से शांतिवार्ता को लेकर कोई बात नहीं हुई है।

संघर्षों के बीच सफलता की कहानी लिखती बालिकाएं

(लेखक- ललित गर्ग)

(अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस- 11 अक्टूबर, 2024)

दुनियाभर में बालिकाओं को सम्मान एवं समानतापूर्ण जीवन में हिस्सेदारी बढ़ाने, उसके सेहतमंद जीवन से लेकर शिक्षा और करियर के लिए मार्ग बनाने के उद्देश्य से हर साल 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इस दिन बालिकाओं को उनके अधिकारों और बालिका सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जाता है। भारत समेत कई देशों में बालिकाओं को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक बच्ची के जन्म से लेकर परिवार में उसकी स्थिति, शिक्षा के अधिकार और करियर में महिलाओं के विकास में आने वाला बाधाओं को दूर करने के लिए जागरूकता फैलाना ही इस दिवस का उद्देश्य है। इस दिवस का उद्देश्य है कि दुनियाभर की बालिकाओं की आवाज को सशक्त करना और आने वाली चुनौतियों और उनके अधिकारों के संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करना। वर्ष 2024 के इस दिवस की थीम है भविष्य के लिए बालिकाओं का दृष्टिकोण, जो बालिकाओं की आवाज की शक्ति और भविष्य के लिए दृष्टि से प्रेरित, तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता और सतत आशा, दोनों को व्यक्त करता है।

आज की बालिकाओं की एक सम्पूर्ण पीढ़ी जलवायु, संघर्ष, युद्ध, गरीबी, मानव अधिकारों और लैंगिक असमानता जैसे वैश्विक संकटों से जूझ रही है। बहुत सी लड़कियों को अभी भी उनके अधिकारों से वंचित रखा जाता है, जिससे उनके विकल्पों पर प्रतिबंध लगता है और उनका भविष्य सीमित हो जाता है। फिर भी हाल ही में किए गए विश्लेषण से पता चलता है कि लड़कियाँ न केवल संकट का सामना करने में साहसी हैं, बल्कि भविष्य के लिए आशावान भी हैं। हर दिन, वे एक ऐसी दुनिया की कल्पना को साकार करने के लिए कदम उठा रही हैं जिसमें सभी लड़कियों को सुरक्षा, सम्मान और अधिकार प्राप्त हों। इस खास दिन मनाने का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं यानी नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे भी देश और समाज के विकास में योगदान दे सकें। देश एवं दुनिया में लड़कियों के लिये ज्यादा समर्थन और नये मौके देने के लिये इस उत्सव की विशेष प्रासंगिकता है। बालिका शिशु के साथ भेद-भाव एक बड़ी समस्या है जो कई क्षेत्रों में फैला है जैसे शिक्षा में असमानता, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सीय देख-रेख, सुरक्षा, सम्मान, बाल विवाह आदि। ये बहुत जरूरी है कि विभिन्न प्रकार के सामाजिक भेदभाव और शोषण को समाज से पूरी तरह से हटाया जाये जिसका हर रोज लड़कियाँ अपने जीवन में सामना करती हैं।

एक गैर सरकारी संगठन ने प्लान इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के रूप में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत की। इस एनजीओ ने एक अभियान चलाया, जिसका नाम 'क्योंकि मैं एक लड़की हूं' रखा गया। इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाने के लिए कनाडा सरकार ने एक आम सभा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 19 दिसंबर 2011 के दिन संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित किया और 11 अक्तूबर 2012 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया और उस समय इसकी थीम 'बाल विवाह को समाप्त करना' था। आज दुनिया में कन्याओं एवं बालिकाओं के समग्र विकास के साथ उनके जीवन को सुरक्षित करना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि छोटी बालिकाओं पर हो रहे अन्याय, अत्याचारों की एक लंबी सूची रोज बन सकती है। न मालूम कितनी अबोध बालिकाएं, कब तक ऐसे जुल्मों का शिकार होती रहेंगी। कब तक अपनी मजबूरी का फायदा उठाने देती रहेंगी। सख्त कानूनों के बावजूद, देश में हर 15 मिनट पर एक बालिका यौन अपराध का शिकार होती है। निर्भया मामले में जनांदोलन के बाद सख्त कानून बनने के बावजूद देश में बलात्कार एवं बाल-दुष्कर्म मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। समाज में व्याप्त अत्यधिक गरीबी ने बालिकाओं के खिलाफ सामाजिक बुराई जैसे दहेज प्रथा को जन्म दिया है जिसने बालिकाओं की स्थिति को बद से बदतर बना दिया है। आमतौर पर माता-पिता सोचते हैं की लड़कियां केवल रुपये खर्च कराती है जिसके कारण वो लड़कियों को बहुत से तरीकों (कन्या भ्रूण हत्या, दहेज के लिये हत्या) जन्म से पहले या बाद में मार देते हैं, कन्याओं या महिलाओं को बचाने के लिये ये मुद्दे समाज से बहुत शीघ्र खत्म करने की आवश्यकता है। हम तालिबान-अफगानिस्तान आदि देशों में बच्चियों एवं महिलाओं पर हो रही क्रूरता, बर्बरता, शोषण की चर्चाओं में मशगूल दिखाई देते हैं लेकिन भारत में आए दिन नाबालिग बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं तक से होने वाली छेड़छाड़, बलात्कार, हिंसा की घटनाएं पर क्यों मौन साध लेते हैं? इस देश में जहां नवरात्र में कन्या पूजन किया जाता है, लोग कन्याओं को घर बुलाकर उनके पैर धोते हैं और उन्हें यथासंभव उपहार देकर देवी मां को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं वहीं इसी देश में बेटियों को गर्भ में ही मार दिये जाने एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को नौंचने की त्रासदी भी है। इन दोनों कृत्यों में कोई भी तो समानता नहीं बल्कि गज़ब का विरोधाभास दिखाई देता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी बालिकाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

दरअसल छोटी लड़कियों या महिलाओं की स्थिति अनेक मुस्लिम और अफ्रीकी देशों में दयनीय है। जबकि अनेक मुस्लिम देशों में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के लिये सख्त सजा का प्रावधान है, अफगानिस्तान-तालिबान का अपवाद है। वहां के तालिबानी शासकों ने महिलाओं को लेकर जो फरमान जारी किए हैं वो महिला-विरोधी होने के साथ दिल को दहलाने वाले हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियों को इन बालिकाओं के स्वतंत्र अस्तित्व को बचाने के लिये आगे आना चाहिए। तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। भारत में भी जब कुछ धर्म के ठेकेदार हिंसात्मक और आक्रामक तरीकों से बालिकाओं को सार्वजनिक जगहों पर नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं तो वे भी तालिबानी ही नजर आते हैं। विरोधाभासी बात यह है कि जो लोग बालिकाओं को संस्कारों की सीख देते हैं, उनमें से बहुत से लोग, धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं।

'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। बावजूद इसके सही समर्थन, संसाधन और अवसरों के साथ, दुनिया की 1.1 बिलियन से ज्यादा लड़कियों की क्षमता असीम है और जब लड़कियां नेतृत्व करती हैं, तो इसका प्रभाव तत्काल और व्यापक होता है। परिवार, समुदाय और अर्थव्यवस्थाएं सभी मज़बूत होती हैं, हमारा भविष्य उज्जवल होता है। अब समय आ गया है कि लड़कियों की बात सुनी जाए, ऐसे सिद्ध समाधानों में निवेश किया जाए जो भविष्य की ओर प्रगति को गति देंगे, जिसमें हर लड़की अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर सकेगी। प्रेषक:

संपादकीय

निशाने पर कांग्रेस

विपक्षी दलों का इंडिया ब्लॉक जहां हरियाणा में नदारद था, वहीं जम्मू-कश्मीर में भी आधे-अधूरे रूप में मैदान में था। कश्मीर में पीडीपी को साथ लिए बिना ही इंडिया ब्लॉक की नैया पार लग गई, पर हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस वाकई अपने कथित सहयोगियों के निशाने पर आ गई है। शायद ही कोई ऐसा सहयोगी होगा, जो कांग्रेस को इस समय नसीहत नहीं दे रहा। कांग्रेस हरियाणा में एक प्रतिशत से भी कम वोटों के अंतर से पिछड़ी है, पर यह उसकी हार बड़ी है। शिव सेना (उद्धव ठाकरे) ने हरियाणा में अकेले चुनाव लड़ने के उसके फैसले पर सवाल उठाया, तो तृणमूल कांग्रेस ने उस पर अहंकारी होने का आरोप जड़ दिया है। कांग्रेस के साथ लड़कर सफल होने वाले नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने भी उसे हार की समीक्षा करने की सलाह दी है। आम आदमी पार्टी ने नसीहत से आगे बढ़ते हुए ऐलान तक कर दिया है कि दिल्ली में वह अकेले ही चुनाव लड़ेगी। उत्तर प्रदेश में जो उप-चुनाव होने हैं, उनमें समाजवादी पार्टी ने भी कांग्रेस को साथ लिए बिना अपने छह उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस के खिलाफ खुलकर चर्चा हो रही है। यह कहा जा रहा है कि जहां कांग्रेस खुद को मजबूत मानती है, वहां वह अपने सहयोगियों को भाव नहीं देती है, जबकि वह जहां खुद को कमजोर मानती है, वहां सहयोगियों से पूरी मदद लेना चाहती है। इस शिकायत में कितनी सच्चाई है, इसकी समीक्षा स्वयं कांग्रेस पार्टी को करनी चाहिए? गठबंधन के मामले में कांग्रेस पहले भी अनुदार रही है और उससे यह उम्मीद की जाती है कि वह अपने सहयोगियों के साथ हर चुनाव में तालमेल करके चलेगी। अनेक मौकों पर इंडिया ब्लॉक का जो चरित्र विगत एक वर्ष में देखने को मिला है, उससे विपक्षी एकता की दलदली जमीन का साफ-साफ पता चलता है। विश्लेषक यह मानते हैं कि इंडिया ब्लॉक दिखावे के लिए एकजुट है, इसलिए उसे चुनावों में पर्याप्त फायदा नहीं हो रहा है। अगर यह ब्लॉक सही मायने में मिलकर लड़े, तो उसे भाजपा को घेरने में आसानी हो सकती है। हालांकि, क्षेत्रीय सहयोगियों को भी अपने गिरेबान में भी झांकना चाहिए कि उन्होंने कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ने के लिए कितने प्रयास किए हैं? ज्यादातर क्षेत्रीय पार्टियां कांग्रेस को अपने-अपने क्षेत्रों में दोयम दर्जे की पार्टी मानकर चलती हैं। शायद इन क्षेत्रीय दलों को यह अंदाजा है कि वे दरअसल, कांग्रेस की छोड़ी हुई जमीन पर ही खड़ी हैं और अगर यह जमीन कांग्रेस के पास वापस गई, तो उनके लिए मुश्किल हो जाएगी। सबको अपनी-अपनी चिंता है और ऐसे में, इंडिया ब्लॉक की चिंता करने वालों का टोटा है। हालांकि, बुनियादी बात यही है कि विपक्ष भाजपा को तभी चुनौती दे सकता है, जब वह एकजुट दिखे भी और मन से एकजुट हो भी। इंडिया ब्लॉक के एकजुट दिखने मात्र से अब कोई भी प्रभावित नहीं होगा। अगर हरियाणा चुनाव की मिसाल लें, तो कांग्रेस महज 0.85 प्रतिशत मतों के अंतर से पराजित हुई है। यहां अगर आम आदमी पार्टी को मिले 1.79 प्रतिशत वोट इंडिया ब्लॉक को मिले होते, तो जाहिर है, भाजपा तीसरी बार शायद ताज बचा न पाती और संभव है, आम आदमी पार्टी की झोली में भी हरियाणा में सीटें दर्ज हो जातीं। साथ न लड़ने का नुकसान कांग्रेस को हुआ है, तो क्षेत्रीय दलों को भी अपने नुकसान का जायजा लेना चाहिए। हां, यह जरूर है कि कांग्रेस को बड़प्पन का परिचय देते हुए अपना विचार-व्यवहार तय करना चाहिए।

चला गया खास होते हुए भी आम दिखने वाला रतन टाटा!

(लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन)

रतन टाटा सिर्फ एक अरबपति नहीं बल्कि एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने टाटा समूह के साथ इस देश और इस देश के करोड़ों लोगों के लिए बहुत कुछ किया है।तभी तो रतन टाटा के निधन से हर कोई दुखी है। उन्हें संयमित जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के माध्यम से परोपकारी कार्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के लिए भी जाना जाता रहा है।उनके निधन के बाद यह सवाल उठ रहा है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा? करीब 3800 करोड़ रुपये की नेटवर्थ के मालिक रतन टाटा जीवन भर अविवाहित रहे हैं। टाटा परिवार में एन चंद्रशेखर टाटा संस के 2017 से चेयरमैन हैं।उनके अलावा टाटा ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों से ऐसे बहुत से लोग हैं, जो भविष्य में टाटा समूह में अलग-अलग जिम्मेदारी निभाते नजर आ सकते हैं। रतन टाटा के पिता नवल टाटा की दूसरी शादी सिमोन से हुई थीं। उनके बेटे नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई हैं।रतन टाटा की विरासत हासिल करने के लिए उनका यह संबंध उन्हें एक प्रमुख उत्तराधिकारी उदावेदार बनाता है। नोएल टाटा के तीन बच्चे हैं, जिनमें माया, नेविल और लीह हैं। यह रतन टाटा के उत्तराधिकारी हो सकते हैं। टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेसिव केयर यूनिट में भर्ती थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे।रतन टाटा ईमानदारी, नैतिक नेतृत्व और परोपकार के प्रतीक थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शब्दों में,भारत ने एक ऐसे आइकॉन को खो दिया है, जिन्होंने कॉरपोरेट ग्रोथ, राष्ट्र निर्माण और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की विरासत को आगे बढ़ाया है।वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। उनका योगदान बोर्ड रूम से कहीं आगे तक गया।

नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले, रतन टाटा दूरदृष्टि वाले व्यक्ति थे। उन्होंने बिजनेस और परोपकार दोनों पर कभी न मिटने वाली छाप छोड़ी है। उनके परिवार और टाटा कम्युनिटी के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी का कहना है कि ये भारत के लिए बहुत दुखद दिन है। रतन टाटा का जाना ना सिर्फ टाटा ग्रुप, बल्कि हर भारतीय के लिए बड़ा नुकसान है। व्यक्तिगत तौर पर रतन टाटा का जाना मुझे बहुत दुख से भर गया है, क्योंकि मैंने अपना दोस्त खो दिया है।रतन टाटा, दुनियाभर में फैले टाटा साम्राज्य के सबसे चमकदार रत्न थे। उन्होंने मैनेजमेंट की

मॉडर्न तकनीकों को अपनाकर टाटा ग्रुप को दुनिया का भरोसेमंद ब्रांड बनाया। उन्होंने कभी भी टाटा के संस्थापकों के विजन से समझौता नहीं किया। आज जब नैतिकता का स्तर गिर रहा है, उस दौर में भी रतन टाटा व्यक्तिगत स्तर पर मॉरल वैल्यूज को थामे रहे। सही मायनों में रतन टाटा देश के उद्योग का प्रतिनिधित्व करते थे। हम विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर क्षेत्र में उनके भरोसे, उत्कृष्टता और नवीनता के मूल्यों को अपनाते हुए प्रयास कर रहे हैं, यही रतन टाटा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।वे भारतीय उद्योग के आधुनिकीकरण से गहराई से जुड़े थे। और इससे भी अधिक इसके वैश्वीकरण के साथ जुड़े थे। बड़ी संपत्ति होने के बावजूद वे अपनी साधारण जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के जरिये परोपकारी कार्यों के लिए चर्चा में रहे। टाटा संस में अपने नेतृत्व के दौरान, उन्होंने टेटली, कोरस और जगुआर लैंड रोवर जैसी कंपनियों का अधिग्रहण करके टाटा समूह को मुख्य रूप से घरेलू कंपनी से वैश्विक पावरहाउस में बदल दिया. उनके नेतृत्व में, टाटा वास्तव में 100 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के वैश्विक व्यापार साम्राज्य में विकसित हुआ. दिसंबर 2012 में, टाटा अपने पद से रिटायर हो गए और उनकी जगह पर साइरस मिस्त्री ने पदभार संभाला, जिनका 2022 में एक कार दुर्घटना में निधन हो गया था।बुढापे के बावजूद रतन टाटा जीवन पर्यंत बेहद साधारण जीवन जीते रहे।उनकी सादगी स्वयं सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी एक हवाई यात्रा के दौरान महसूस की थी।ऐसे महान व्यक्तित्व को नमन।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

(चिंतन-मनन)

सुखी रहने के लिए लें धर्म की शरण!

दुनिया का हर व्यक्ति केवल सुख ही चाहता है। दुख से सब दूर भागते हैं। यदि हमें सुखी रहना है तो सबसे पहले धर्म से जुड़ना होगा। किसी के मन को दुखाना भी पाप है। भागदौड़ भरी जिंदगी में आज हर व्यक्ति विवेक नहीं रख पाता है। इसलिए पाप बंध को बांधता चला जाता है और पाप बंधने के कारण सुखी नहीं हो पाता। इसलिए सुखी रहने के लिए धर्म की शरण में जाकर धर्म के मर्म को समझना होगा। धर्म की शुरुआत व्यक्ति को सबसे पहले अपने घर से ही करना चाहिए। यदि हम विवेकपूर्ण जीवन जिएंगे तो पाप से बच पाएंगे और जो पाप से बच पाएगा, वहीं सही मायनों में धर्म से भी जुड़ पाएगा। मर्यादाओं को भंग करना पाप की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी के मन को दुखाना भी पाप है। हमें अपने जीवन काल में सुख प्राप्ति के लिए जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा, क्योंकि जिनवाणी अमृत रूप है। हमारा सौभाग्य है कि हमें जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिला है। जीवन में यदि सुख प्राप्त करना है तो जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा। धर्म आधारित जीवन जीते हुए ही मनुष्य वैराग्य की ओर अग्रसर हो सकता है। संपूर्ण जीवन लोभ, मोह, मद, मान और माया में ही व्यतीत हो जाता है और प्रभु आराधना का समय ही नहीं मिल पाता तथा व्यक्ति संसार से प्रस्थान भी कर जाता है। संसार में रहते हुए वैराग्य के प्रसंग जीवन में आते हैं। फिर भी विरक्ति नहीं होती। इसलिए निरंतर साधना व स्वाध्याय करते रहना चाहिए। सुखी और सफल जीवन के लिए भौतिक सुख नहीं, आध्यात्मिक सुख ज्यादा जरूरी है, जो वैराग्य से ही प्राप्त हो सकता है। संसार के सभी जीव सुख चाहते हैं। सभी लोग सुख प्राप्त करने के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं, लेकिन सच्चा सुख कहां है, इसका हमें ध्यान नहीं है। जो जीवात्मा अरिहंत परमात्मा की वाणी को आत्मसात करती है, उसकी सभी प्रकार की आधि-व्याधि नष्ट हो जाती है। जिसने आत्मस्वरूप की पहचान कर ली है, वही धर्मध्यान में लीन होगा। हमारे आर्तध्यान और रौद्रध्यान से जीवन भटक जाता है। धर्मध्यान को अपनाकर व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति में भी समभाव को धारण कर सकता है। आज धर्मध्यान की जगह धन का ध्यान ज्यादा किया जा रहा है। पैसा साधन जरूर है, पर वह साध्य नहीं है। विडंबना यह है कि आज व्यक्ति धन को ही साध्य मानने की भूल कर रहा है।

विचार मंथन

टाटा समूह की विरासत के गौरव रतन टाटा का निधन

(लेखक- सनत जैन)

भारत के रत्न कहे जाने वाले सुप्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। टाटा समूह की विरासत के वह एक ऐसे उत्तराधिकारी थे, जिन्होंने अपने पूर्वजों की तरह अपने औद्योगिक साम्राज्य को देश और विदेश तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका का निर्वाह किया। टाटा समूह के संस्थापक जेआरडी टाटा के वह चौथे वंशज थे। रतन टाटा ने अपने जीवन-काल में टाटा समूह की दौलत को बड़ी तेजी के साथ बढ़ाया। उन्होंने नैतिक मूल्यों और सादगी के साथ सामाजिक दायित्वों को पूरा किया। उन्होंने टाटा समूह के कारोबार को नैतिकता के साथ बढ़ाया। सामाजिक दायित्व में भारत के हर नागरिक के बीच में अपनी और टाटा समूह की विशिष्ट छाप छोड़ी। उन्होंने भारत के गौरव, भरोसे और कारोबार की पताका दुनिया के कई देशों में फहराई है। सारी दुनिया को रतन टाटा ने जो संदेश दिया, उसकी गूंज अब दुनिया के सभी देशों में सदियों तक सुनाई देगी। 1868 में अंग्रेजों के शासनकाल में टाटा समूह की स्थापना हुई थी। टाटा समूह को भारत में औद्योगिक क्रांति के रूप में पहचाना जाता है। टाटा समूह की चार पीढ़ियों के इस लंबे सफर में, नैतिकता के साथ उद्योग और व्यापार में आगे बढ़ाते हुए, पूंजीवाद और समाजवाद का तालमेल और भारतीय संस्कृति का बेहतर उदाहरण, टाटा समूह की हर पीढ़ी ने देश के सामने रखा है। रतन टाटा ने शादी नहीं की थी। उन्होंने विदेशों में पढ़ाई की। लेकिन उन्हें यूरोप की हवा नहीं लगी। वह तन और मन से हमेशा भारतीय बने रहे। 1868 से लेकर अभी तक टाटा समूह ने हमेशा नवाचार करके उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में विशिष्टता के साथ काम करते हुए स्टील, ऑटोमोबाइल, डेटा इनोवेशन, नमक, केमिकल, चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता के साथ काम किया है। टाटा समूह ने नैतिकता और संस्कारों के साथ कभी कोई समझौता नहीं किया। टाटा समूह व्यापार को नैतिकता के साथ करने के लिए जाना जाता है। कर्मचारियों और सामाजिक दायित्व को लेकर टाटा समूह हमेशा सजग रहा। सही मायने में टाटा समूह भारत में औद्योगिक क्रांति लाने के लिए जाना जाता है। 1907 में टाटा समूह ने स्टील प्लांट की स्थापना करके भारत में औद्योगिक क्रांति का शंखनाद किया था। टाटा समूह ने पिछले वर्षों में आईटी के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विभिन्न व्यवसाय में हमेशा आगे बढ़कर हर चुनौती को स्वीकार किया है। टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी, टाटा स्टील समूह के अंतर्गत सैकड़ों कंपनियों ने उल्लेखनीय सफलताएं प्राप्त की हैं। शोध और सामाजिक कार्यों में टाटा समूह ने खुले हाथों पैसे खर्च करने में कभी कोई कोताही नहीं बरती। कैंसर जैसी असाध्य बीमारी से निपटने के लिए हजारों करोड़ रुपये शोध में टाटा समूह ने तब खर्च किए,जब कोई इस मामले में सोचता नहीं था। पारसी परिवार में जन्मे रतन टाटा ने अपनी पारिवारिक विरासत को पूरी संवेदनशीलता, जिम्मेदारी, नैतिकता, सामाजिक दायित्व के साथ पूरा करते हुए एक नई आधारशिला रखी है। रतन टाटा ने कभी, कोई ऐसा काम नहीं किया। जिससे टाटा समूह के ऊपर कोई उंगली उठा सके। रतन टाटा ने अपने पूर्वजों के बनाए गए नियमों, सामाजिक समरसता, धन का उपयोग व्यापार और उद्योग बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक दायित्व के प्रति टाटा समूह हर समय प्रतिबद्ध रहा है। टाटा परिवार के सदस्य अपने ऊपर बहुत कम खर्च करते थे। टाटा समूह जो भी कमाई करता था, उसे उद्योग विस्तार में लगाकर, लाखों लोगों को रोजगार देकर, मान-सम्मान के साथ सुख सुविधाएं पहुंचाने के लिए देश और विदेश में जाना जाता है। सामाजिक उत्तरदायित्व को जिस तरह से टाटा समूह की हर पीढ़ी ने निभाया है, उसकी प्रशंसा दुनिया के देशों में होती है। टाटा समूह, नैतिकता और ईमानदारी का प्रतीक है। रतन टाटा ने अपने जीवनकाल मे टाटा समूह की इसी विरासत को आगे बढ़ाने का काम किया है। सादा जीवन उच्च विचार की भारतीय संस्कृति का निर्वाह उन्होंने सारे जीवन किया। रतन टाटा दुनिया छोड़कर चले गए हैं, लेकिन रतन टाटा ने अपने 86 वर्ष के जीवन मे जिस तरह से पारिवारिक विरासत की प्रतिबद्धता और संस्कारों का संवर्धन किया है, वह आने वाली पीढ़ी और दुनिया के लिए एक उत्तम संदेश है। लोग थोड़ी सी सफलता में अहंकारी हो जाते हैं। धन संपदा और ऐश्वर्या का जिस तरह से प्रदर्शन करते हैं, रतन टाटा हमेशा उससे दूर रहे। सहजता, सरलता और ईश्वर के प्रति आस्था का ऐसा अनोखा संगम कम ही देखने को मिलता है। रतन टाटा के निधन पर देश भर में शोक व्याप्त है। लोग मन से उनके निधन पर श्रद्धांजलि व्यक्त कर रहे हैं। लोगों को लगता है, उन्होंने अपने ही परिवार के किसी सदस्य को खो दिया है। यही कमाई रतन टाटा और टाटा समूह की है। यह कमाई इस लोक में भी है, और परलोक में भी हमेशा बनी रहेगी।

पंच परिवर्तन से राष्ट्रीय पुनरुत्थान

समाज परिवर्तन की ओर बढ़ते कदम

लेखाराम बिश्नोई
लेखक, विचारक व सामाजिक कार्यकर्ता

किसी भी राष्ट्र के निर्माण में कुछ तत्वों का महत्वपूर्ण स्थान रहता है। ये तत्व उस राष्ट्र की संस्कृति का परिचायक भी होते हैं। राष्ट्र की चिरस्थाई यात्रा इन्हीं तत्वों से बनती है। सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण तत्वों से राष्ट्र की पहचान भी होती है, और ये तत्व राष्ट्र और देश के अंतर को भी अंकित करते हैं। भारत की वर्तमान स्थिति में सुधार लाने और देश को प्रगति और विकास के मार्ग पर मजबूत करने के लिए, प्राचीन समृद्ध भारत, विश्व गुरु भारत और सोने की चिड़िया भारत के पांच आधारभूत तत्व सामाजिक समरसता, स्वदेशी भाव, पर्यावरण संरक्षण, परिवार प्रबोधन, और नागरिक कर्तव्य जैसे तत्वों की वर्तमान समय में भी भूमिका महत्वपूर्ण है।

सामाजिक समरसता

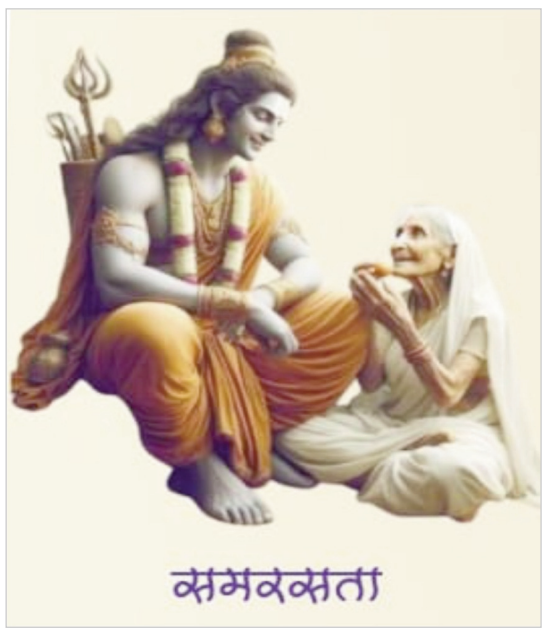

सनातन परंपरा, संस्कृति समाज में मनुष्ण एक ही ईश्वर की संतान है, और उनमें एक ही चैतन्य का अस्तित्व है। इस बात को वेद, उपनिषद, पुराण, स्मृतियां सभी मानते हैं। आदिकाल से सनातन संस्कृति में कभी भी किसी के साथ में किसी तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं किया गया। समाज रूपी परिवार में समरसता का उदाहरण श्रीराम के वनवास के दौरान उत्तर से दक्षिण तक विभित्र जातियों और वर्गों के मध्य परस्पर प्रेम व विश्वास का संचार किया गया। निषाद राज गुह के यहां रुककर और उन्हें गले लगाकर, शबरी के झूठे बेर भोजन में ग्रहण कर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने सामाजिक समरसता का संदेश और मर्यादा का यह संदेश दिया।

भारत का प्राचीन इतिहास संघर्षों का रहा है। अनेक बर्बर जातियों शक, हुण, मंगोल, मुगल के आक्रमणों को हमने झेला है। इस संघर्ष के कालखंड में हमने गुलामी को कभी स्वीकार नहीं किया। भारतवर्ष के संपूर्ण भूभाग को कोई आक्रमणकारी एक साथ विजय नहीं कर सका। इस संघर्ष के काल में आक्रमणकारियों ने हमारे धार्मिक ग्रंथों में कुछ मिथ्या बातें जोड़ दी। जिससे कुछ विसंगतियां आ गई। जिसके कारण भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। इस कालखंड में भी हमारे ऋषि मुनियों, संतो ने भक्ति आंदोलन में समय-समय पर एक समरस समाज की स्थापना का प्रयास किया गया। इस पुनीत कार्य के कारण आदि शंकराचार्य, रामानुज, गुरु नानक देव, बाबा रामदेव,नामदेव, गुरु जंभेश्वर आदि जन-जन के आराध्य बन गए। सामाजिक समरसता एक व्यवहार का विषय है और इसे परस्पर व्यवहार के आचरण द्वारा ही स्थापित किया जा सकता है। यही प्रेम और अपनत्व का भाव ही सामाजिक समरसता है।

19वीं और 20वीं सदी में भी स्वामी विवेकानंद दयानंद सरस्वती, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर, डॉ केशवराव बलिराम हेडगेवार, श्री गुरुजी माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर, द्वारा जीवन का क्षण क्षण सामाजिक समरसता को समर्पित रहा। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का मत था, कि यदि देश के संत महात्मा मिलकर यह घोषित कर दे कि हिन्दू धर्म शास्त्रों में छुआछूत का कोई स्थान नहीं है, तो इस अभिशाप को समाप्त किया जा सकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए 13-14 दिसंबर 1969 के उडुपी धर्म संसद में संघ के तत्कालीन सरसंघचालक गुरुजी के विशेष प्रयासों के परिणाम स्वरूप भारत के प्रमुख संतो ने एक स्वर में 'हिन्दवः सोदरा सर्वे ना हिन्दू पतितो भवेत् मंम दीक्षा हिन्दू रक्षा मंम मंत्र समानता' के उद्घोष के साथ सामाजिक समरसता का ऐतिहासिक प्रस्ताव पास किया। सुष्टि के किसी भी कालखंड में समाज अपने परम वैभव पर पहुंचा है। तो वह समरसता के बलबूते पर पहुंचा है, और वर्तमान समय की महती आवश्यकता सामाजिक समरसता है। सामाजिक समरसता के अभाव में समाज में विभाजन और टकराव जैसे तत्व राष्ट्र की प्रगति में बाधक बनते हैं। समरसता के माध्यम से समान अवसर, सामाजिक न्याय और बंधुत्व की भावना को बढ़ावा मिलता है। जिससे देश की आंतरिक शांति और स्थिरता विकास में सहायक होती है। सामाजिक समरसता और भारतीय ऋषि मुनियों के व्यक्तिगत व्यवहार, आचरण के कारण भारत विश्व गुरु बना और मानव जाति को वृष्टि से समटि तक की यात्रा तय की। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज के अभाव में न तो चैन, सुखपूर्वक वह रह सकता है। न वह प्रगति कर सकता है। यही कारण है कि मनुष्य अपने समाज समुदाय और परिवार के प्रति भावात्मक रूप से बंधा रहता है। परिवार, जाति, धार्मिक संप्रदाय सभी में सदस्यों के मध्य भावामक एकता होती है, जो समाज को एकता के रूप में पिरोकर रखती है। कोई भी समाज समूह या समुदाय अधिक दिनों तक भावात्मक एकता के बिना जीवित नहीं रह सकता, और यह भावात्मक एकता किसी राष्ट्र के अस्तित्व के लिए परम आवश्यक है, इसे दूसरे शब्दों में राष्ट्रीय एकता कहा जाता है। समाज के प्रबुद्ध वर्ग का यह दायित्व है, कि वे समाज में समरसता का विमर्श खड़ा करें और इसे व्यक्तिगत जीवन में व्यवहार के रूप में स्थापित करें। यही सच्ची समाज सेवा है।

स्वदेशी का जागरण - भारत के संदर्भ में

भारत एक महान संस्कृति की धरोहर अपने अंदर संजोए हुए हैं। जिसने वैदिक काल से आत्मा और आत्म जागरण को महत्व दिया है। 'स्वदेशी भाव का जागरण' यानी आत्म बोध एक आध्यात्मिक पद्धति है। जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने मान बिन्दुओं, आस्था केन्द्रों, अपने पूर्वजों से जुड़कर, अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानता है। अपने वास्तविक अस्तित्व मूल स्वभाव और जीवन के उद्देश्य को समझता है। भारतीय दर्शन में, धर्म, योग और दर्शन के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति के भीतर एक दिव्य शक्ति होती है। जिसे जानना और अनुभव करना स्व जागरण कहलाता है। यह प्रक्रिया न केवल व्यक्तिगत जीवन के विकास का समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान में सहायक होती है।

वैदिक और उपनिषदिक काल से स्व जागरण को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य माना गया। आत्मज्ञान, ब्रह्मविद्या, ध्यान, साधना, तपस्या और योग मार्ग सूझाए गए।

आधुनिक भारत में भी स्व का जागरण और आत्म बोध की महत्वपूर्ण परंपरा रही है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, श्री अरविंद और अन्य संतों ने भी भारतीय समाज में स्व-जागरण के महत्व को बताया। महात्मा गांधी ने स्व-जागरण को 'स्वराज' के साथ जोड़ा जो आत्मनिर्भरता और स्व से जुड़ने की भावना है।

'स्व भाषा' स्व भाषा व्यक्ति को सांस्कृतिक धरोहर, परंपरा और जीवन मूल्यों से जोड़ती है। भारत में संस्कृत, हिंदी, तमिल, बंगाली, मराठी और अन्य भारतीय भाषाएं इस संदर्भ में 'स्व भाषा' का प्रतीक है। इसके साथ ही प्राकृत, पाली, तमिल, तेलुगू जैसी भाषाओं ने भी साहित्य, विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में 'स्व भाषा' का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। राष्ट्रीयता की सच्ची भावना मातृभाषा में प्रकट होती है। इस कारण स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में साहित्य रचा गया। जिसने जनजागृति और स्वराज की भावना को प्रोत्साहित किया। आज के आधुनिक समय में वैश्वीकरण और अंग्रेजी के बढ़ते प्रभाव के बीच मातृभाषा का जागरण और अधिक प्रासंगिक हो गया है।

'स्व वेशभूषा' भारतीय वेशभूषा केवल परिधान मात्र नहीं है। यह हमारी वैदिक संस्कृति, इतिहास, परंपरा और जीवनशैली का संवाहक रही है। भारतीय समाज जीवन में वेशभुषा न केवल सौंदर्य और आकर्षक का हिस्सा है, बल्कि इसका सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व भी है। यहां की वेशभूषा की एक बड़ी विशिष्टता, आर्थिक रूप से हथकरघा उद्योग और वस्त्र उद्योग के रूप में विश्व विख्यात रही है। हर राज्य की अपनी विशेष वेशभूषा है, जो उसके गौरव और पहचान का हिस्सा है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। जिसे संजोए रखना हमारी जिम्मेदारी है।

'स्वराज' एक राष्ट्र समाज की अपनी शासन व्यवस्था होनी चाहिए। भारत में स्वराज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि रही है। वैदिक काल से जनपद और गणराज्य जैसी व्यवस्थाएं थी। जहां जनता को शासन चुनने और शासन में भागीदारी निभाने का अवसर था। यह शासन व्यवस्था लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित थी। गांधी जी के स्वराज में भी विकेंद्रीकृत शासन व्यवस्था, ग्राम स्वराज की महत्वपूर्ण भूमिका थी। स्वराज केवल राजनीतिक अवधारणा नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भरता, समानता और जन भागीदारी का प्रतीक है। भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली ने स्वराज को वास्तविकता में बदलने का प्रयास किया है। इस यात्रा में शिक्षा, जागरूकता और विकेंद्रीकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जिससे भारत एक सशक्त आत्मनिर्भर और समग्र राष्ट्र के रूप में उभर सकेगा।

'स्वदेशी' भारतीय राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वदेशी की अवधारणा एक प्रमुख सिद्धांत के रूप में उभरी। जिसका उद्देश्य विदेशी वस्त्रों और वस्तुओं का बहिष्कार कर भारतीय उत्पादों का समर्थन करना था। स्वदेशी का अर्थ है, स्थानीय आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना। परंतु स्वदेशी केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता तक सीमित नहीं है। यह हमारी सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर की संवाहक भी है। स्वदेशी और स्व जागरण अपने आप में स्वभाषा, स्व संस्कृति, स्व वेशभूषा, और स्वराज आदि महान ऋषि परंपरा की धरोहर है।

जो व्यक्तिगत आचरण द्वारा समाज जीवन के व्यवहार से एक राष्ट्र के समृद्ध जीवन का धोतक होती है। यही स्व जागरण का भाव है। इसी स्व जागरण के भाव ने भारतीय संस्कृति को चिर स्थाई रखा है।

पर्यावरण संरक्षण

हमारा पर्यावरण प्राकृतिक और कृत्रिम दोनों का मिलाजुला स्वरूप है। जिसके अंतर्गत पर्यावरण की गुणवत्ता की संरक्षण की बात की जाती है। वातावरण में घुले घातक रसायनों की अधिकता को कम करना और पारिस्थितिकीय तंत्र को प्रदूषण से बचाना है। पर्यावरण में जितना महत्व मनुष्यों का है, उतना ही अन्य जीव जंतुओं का भी। औद्योगिकरण, बढ़ते विकास कार्य, और वैज्ञानिक गतिविधियों के कारण वनों की कटाई होती है। जिससे वन्य जीव जंतु के प्रजनन और आवास भी प्रभावित होते हैं। पर्यावरण, पारिस्थितिकीय तंत्र का संतुलन बिगड़ने में हम सब की भूमिका रही है अतः इसके संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति का योगदान होना चाहिए। हमारे समाज में बहुत से महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल पेश की है। अनेक ऐसे सामाजिक संगठन भी है जो पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करते हैं। पिछले कुछ समय से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण गतिविधि' के माध्यम द्वारा देश भर में प्रत्येक जिले में एक लाख पौधे लगाने के लक्ष्य से पर्यावरण संरक्षण-संवर्धन का महा अभियान 'एक पेड़ देश के नाम' चला। वैदिक काल से ही भारतीय संस्कृति में प्रकृति संरक्षण को धार्मिक और आध्यात्मिक भावना से जोड़कर देखने की परंपरा है। गोचर और ओरण क्षेत्र, बावड़ी,तालाब,नाडी, नदी, और वृक्षों के पूजन और संरक्षण के साथ परिक्रमा की परंपरा पीढीयों से रही है। संघ की पर्यावरण संरक्षण गतिविधि ने इन वैदिक काल से चली आ रही परंपराओं को पुनर्जीवित करने के लिए जन सहयोग से वातावरण तैयार किया है। पर्यावरण संरक्षण में प्लास्टिक मुक्त घर और समाज का वातावरण, वृक्षारोपण और जल संरक्षण, भूमिगत जल के स्तर को ऊंचा उठाने का प्रयास, ग्राम विकास द्वारा शहर की ओर पलायन को रोकना महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

कुटुंब प्रबोधन

हिन्दू संस्कृति सनातन है। सनातन का अर्थ है शाश्वत । अपनी संस्कृति की श्रेष्ठता के अनेकों श्रेष्ठ कारण है। उनमें से एक है, हमारी आदर्श हिन्दू परिवार व्यवस्था। आदर्श हिन्दू घर-परिवार, हजारों वर्षों से हमारी संस्कृति, जीवन्त संस्कृति बनी रहे, इसका प्रमुख श्रेय आदर्श हिन्दू परिवार पद्धति को हैं। हमारा परिवार देव संस्कृति का वाहक हैं। मानव जीवन के चार चरण (ब्रह्मचार्य गृहस्थ वानप्रस्थ सन्यास) में से गृहस्थ आश्रम को सबसे श्रेष्ठ माना गया हैं। हिन्दू परिवारों में पोते- पोतियों के साथ ज्ञान साझा करना और आदर्श जीवन के संस्कारों के माध्यम से उनका मार्गदर्शन करना तीसरे आश्रम का हिस्सा है। हर किसी से बड़ों के प्रति सम्मान दिखाने की अपेक्षा की जाती है। परंपरागत रूप से कई हिन्दू संयुक्त परिवारों में रहते हैं।

हिन्दू परिवार और हिन्दू दृष्टिकोण की विशेषता है। हर विषय के जड़ तक जाकर विश्लेषण करना हमारी पद्धति है। बाहर के चमक- दमक से ज्यादा सच्चाई को खोजने की दृष्टि है। इसलिए हिन्दू चिंतन सार्वकालिक और सार्वदेशिक है। ईश्वर एक है, नाम अनेक है। प्रकृति मनुष्य की आवश्यकताओं को पूर्ण कर सकती है, लालसा को नहीं। संसार केवल मनुष्य के लिए नहीं है, अपितु सब 84 लाख जीवजंतु के लिए भी हैं। ऐसे सैकड़ों शाश्वत सत्य हिन्दू चिंतन के फल हो गए हैं। हजारों वर्षों से इस समाज की संपत्ति बन गए हैं। इन सत्यों के अनुरूप जिन्होंने अपना जीवन जीया ऐसे संस्कारों और चिंतन को पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित किया। इस तरह जो पीढ़ी दर पीढ़ी चलती है। वहीं संस्कृति बन जाती है। इस देश में भले ही व्यक्ति अनपढ़ हो, परंतु वह सुसंस्कारित रहा, उसमें संस्कृति का जड़ जम गया था। नतीजा ऐसा हुआ, कि उसका व्यवहार अनुकरणीय रहा बच्चों के लिए बुजुर्ग आदर्श हो गये। परिवार में बुजुर्गों के चिंतन और व्यवहार ही पारिवारिक संस्कार बन गये। इन संस्कारों का परिणाम व्यक्ति-व्यक्ति का जीवन चमकने लगा। ÷प्राण जाय पर वचन न जाय÷ अर्थात प्राण जाय मगर धर्म न छोड़े ऐसी दृढ़ता बालकों में भी प्रकट होने लगी। अपनी हिन्दू संस्कृति में समाज, परिवार एवं व्यक्ति का विकास आपस में पूरक है। अच्छे व्यक्ति से अच्छा परिवार तथा अच्छे परिवारों से ही अच्छा समाज बनता है। परिवार प्रबोधन का अर्थ है परिवार के सदस्य शिक्षा, नैतिकता और पारिवारिक, सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति सजग हो। परिवार मूल्यवान अनुशासित और आत्मनिर्भर कैसे बने। परिवार राष्ट्र और समाज के विकास में सहभागी बने। इनको सशक्त बनाने के लिए कई व्यवस्थाओं का विकास हुआ है। जिनमें चार पुरुषार्थ, चार आश्रम, सोलह संस्कार प्राचीन काल से हिन्दू संस्कृति का पालन पोषण करते आये हैं। ऐसा लगता है, कि भोगवाद के आज के दिनों में इनका उपयोग कम होता जा रहा है। फिर भी अपने समाज को सुस्थिति में रखने के लिए परिवारों की आवश्यकता है। किंतु आधुनिकता की आंधी में जैसे अन्य समाजों में शिथिलता आयीं हैं। हमारा समाज भी अपवाद नहीं रहा है। इसमें भी कमजोरियां घुस रही है। फिर भी आपसी संबंध और विश्वास सुदृढ़ रहने से आज की अवस्था में भी सिर्फ परिवार समाज के सजीव नस बन सकते हैं। इसके लिए परिवार के सभी सदस्य सप्ताह में एक बार सामूहिक पूजा पाठ, सामूहिक पूजन, तत्कालीन विषयों पर सामूहिक चर्चा करें। यही इतिहास का बोध है। जिसे सजीव रूप से जीना चाहिए।

नागरिक कर्तव्य

विश्व समुदाय में जब मनुष्य और मानव सभ्यता, अपने मनुष्यता और पशुता के मध्य कोई अंतर नहीं कर पा रही थी। मानव सभ्यता के उस कालखंड में भी प्राचीन सनातन भारतीय समाज में कर्तव्य का बहुत महत्व था। सभी संबंधों में कर्तव्य पालन की भावना में महत्ती रही। परिवार से लेकर समाज तक कर्त्तव्यपरायणता यानी पुत्र का पिता के प्रति कर्तव्य, भाई के प्रति कर्तव्य, माता के प्रति कर्तव्य और परिवार के सभी संबंधों के प्रति कर्तव्य। तदुपरांत समाज और सृष्टि के प्रति कृतज्ञता की भावना और उनका विशेष रूप से पालन करना। इसी कर्तव्य पालन की भावना से प्रकृति पूजा निकला है। कर्तव्य पालन की भावना सनातन समाज में प्रत्येक व्यक्ति को बाल्यकाल से परिवार और फिर गुरुकुल में दी जाती थी। प्राचीन सनातन भारतीय समाज में कर्तव्य पालन की गहरी सामाजिक और धार्मिक भावना के कारण ही शायद भारतीय संविधान सभा के सदस्यों ने मूल भारतीय संविधान में नागरिक कर्तव्य को स्थान नहीं दिया होगा। परंतु भारतीय समाज ने वर्षों तक परकीय आक्रमण से सामना किया है। परकीय आक्रमण के इस संघर्ष काल में भारतीय समाज अपनी अनेक मूल विशेषताओं को भूल गया। वर्तमान समय में देश में नागरिकों के व्यवहार में कर्तव्य पालन की कमी यदा-कदा देखने को मिलती है। आजकल कुछ शरारती तत्व देश में अराजकता का माहौल बनाने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। कुछ विदेशी तत्व भी भारतीय समाज को बदनाम करने के उद्देश्य से इसमें लगे हुए हैं। भारतीय नागरिकों का कर्तव्य है कि वे सजग रहे हैं। हमें नैतिक मूल्य और अच्छे संस्कारों को अपनाना चाहिए। नागरिक कर्तव्य एक सामाजिक जिम्मेदारी भी है। समाज में नैतिकता अनुशासन कानून का पालन दुनिया भर के प्रतिष्ठित देशों में भारत अपनी एक अलग पहचान रखता है। भारतीय नागरिक होने के नाते सभी भारतीयों को नागरिक कर्तव्य का पालन करते हुए अपनी संस्कृति, इतिहास, संघर्ष व अन्य प्रमुख बातों को हृदय में संजोए रखना चाहिए।

भारत की वर्तमान स्थिति को सुधारने और देश की विकास यात्रा तीव्र गति से दीर्घकाल तक चले उसके लिए इन पांच तत्वों का परिष्कृत रूप से उपयोग करना आवश्यक है। सामाजिक समरसता से देश में सहयोग, बंधुत्व की भावना और एकता बनेगी। स्वदेशी भाव जागरण से देश आर्थिक रूप से सशक्त बनेगा, पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन से हमारे आने वाले पीढ़ियों का भविष्य सुनहरा और सुरक्षित रहेगा। परिवार प्रबोधन से परिवार इकाई और समाज मजबूत होगा और नागरिक कर्तव्य का पालन एक समर्थ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में सहायक होगा।

सेबी ने चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर लगाया 2 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली । मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने ब्रोकरेज फर्म चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग पर निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने के आरोप में 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी के आदेश के मुताबिक चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग ने एक्सचेंज को ऑथराइज्ड पर्सन (एपी) से जुड़े क्लाइंट्स की सही जानकारी नहीं दी। बताया गया है कि ब्रोकरेज के ऑथराइज्ड पर्सन और क्लाइंट के बीच तीन मामलों में एपी सर्विसेज के लिए फंड की लेनदेन हुई। इस दौरान एपी टर्मिनल्स का इस्तेमाल अनऑथराइज्ड लोगों द्वारा किया गया।सेबी के आदेश में जांच के परिणामों की जानकारी देते हुए बताया गया है कि ब्रोकरेज फर्म के ऑथराइज्ड पर्सन्स में से एक ने एक्सचेंज को 226 क्लाइंट्स की जानकारी नहीं दी, जबकि दूसरे ने 118 क्लाइंट्स की और तीसरे ने 7 क्लाइंट्स की जानकारी एक्सचेंज को उपलब्ध नहीं कराई। सेबी की जांच में इस बात का भी पता चला कि ब्रोकरेज फर्म के ऑथराइज्ड पर्सन्स में से एक ग्रो कैपिटल फाइनेंस सर्विसेज अपने क्लाइंट को फंड ट्रांसफर कर रहा था। हालांकि ब्रोकरेज फर्म की ओर से सफाई दी गई कि फंड ट्रांसफर का ये काम ऑथराइज्ड पर्सन ने पर्सनल कैपेसिटी में क्लाइंट के साथ किया था, जिसके लिए ब्रोकरेज फर्म को जिम्मेदार नहीं माना जाना चाहिए।

एमएचआई ने ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ शिकायतों पर एआरएआई से मांगी जानकारी

नई दिल्ली । भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) ने ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) को ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ उपभोक्ताओं की शिकायतों के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। ओला इलेक्ट्रिक फेम-2 और पीएम ई-ड्राइव योजनाओं का लाभार्थी है। इसका पात्रता प्रमाण पत्र एआरएआई द्वारा प्रदान किया गया है, जो मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक प्रमाणन व परीक्षण एजेंसी है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने सात अक्टूबर को उपभोक्ता अधिकारों के कथित उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापन तथा अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए ओला इलेक्ट्रिक को कारण बताओ नोटिस जारी किया। फेम-2 और पीएम ई-ड्राइव योजनाओं के तहत मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को ग्राहकों की समस्याओं के समाधान के लिए सर्विस सेंटर स्थापित करने होते हैं। इसके अलावा सभी ओईएम द्वारा इन दो योजनाओं के तहत वारंटी भी दी जाती है।

लोथल में राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर के विकास को मंजूरी

अहमदाबाद । केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (एनएमएचसी) के विकास के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इस परियोजना का मकसद भारतीय समुद्री धरोहर और इतिहास को प्रदर्शित करना है। अधिकारियों ने कहा कि इस परियोजना पर काम चल रहा है और नियमित रूप से सरकार की ओर से उच्च स्तरीय निगरानी होती है। परियोजना के फेज 1ए पर काम चल रहा है और 60 प्रतिशत काम हो चुका है और इसे 2025 तक पूरा किए जाने की योजना है। मंत्रिमंडल के एक बयान में कहा गया है कि परियोजना के फेज 1ए और 1बी को ईपीसी मॉडल पर विकसित किया जा रहा है और फेज-2 को जमीन पट्टे पर देकर/पीपीपी के माध्यम से विकसित किया जाएगा, जिससे एनएचएमसी को वैश्विक स्तर का धरोहर संग्रहालय बनाया जा सके। एक आधिकारिक बयान के अनुसार एनएमएचसी परियोजना के विकास में लगभग 22,000 नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। इसमें 15,000 प्रत्यक्ष रोजगार और 7,000 अप्रत्यक्ष रोजगार होंगे। एनएमएचसी की निर्माण योजना प्रसिद्ध वास्तु फर्म हफीज कॉन्ट्रैक्टर ने तैयार की है। चरण 1ए का निर्माण कार्य टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को सौंपा गया है। लाइटहाउस ऐंड लाइटशिप महानिदेशालय, लाइटहाउस म्यूजियम के लिए धन मुहैया कराएगा। इस पर काम भी आगामी चरणों में होगा।

देश में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 96.96 करोड़ पहुंची

- दूरसंचार कंपनियों को हर ग्राहक से 8 फीसदी अधिक कमाई

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में देश में इंटरनेट ग्राहकों की संख्या तिमाही आधार पर 1.59 फीसदी बढ़कर 96.96 करोड़ पहुंच गई। जनवरी-मार्च तिमाही में देश में 95.44 करोड़ इंटरनेट ग्राहक थे। कुल 96.96 करोड़ ग्राहकों में 4.20 करोड़ लोग वायर के जरिये इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जबकि वायरलेस इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 92.75 करोड़ पहुंच गई है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की ओर से इंडिया टेलीकॉम सर्विसेज परफॉर्मेंस इंडिकेटर रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान मोबाइल सेवाओं के लिए हर ग्राहक से दूरसंचार कंपनियों को होने वाली कमाई सालाना आधार पर 8.11 फीसदी बढ़कर 157.45 रुपये पहुंच गई है। मासिक आधार पर इन कंपनियों का प्रति उपयोगकर्ता औसत मासिक राजस्व (एआरपीयू) जनवरी-मार्च तिमाही के 153.54 रुपये की तुलना में 2.55 फीसदी बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही में दूरसंचार सेवा क्षेत्र का समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बढ़कर 70,555 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें तिमाही आधार पर 0.13 फीसदी और सालाना आधार पर 7.51 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ब्रॉडबैंड के जरिये इंटरनेट चलाने वालों की संख्या अप्रैल-जून तिमाही में 1.81 फीसदी बढ़कर 94.07 करोड़ पहुंच गई। जनवरी-मार्च तिमाही में इनकी संख्या 92.40 करोड़ थी। हालांकि, नैरोबैंड इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 3.03 करोड़ से घटकर 2.88 करोड़ रह गई। देश में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 120.56 करोड़ हो गई। इसमें जनवरी-मार्च की तुलना में 0.53 फीसदी और सालाना आधार पर 2.70 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शहरी इलाकों में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या 66.53 करोड़ से बढ़कर 66.71 करोड़ पहुंच गई। ग्रामीण इलाकों में भी यह संख्या 53.85 करोड़ है, जो तिमाही आधार पर अधिक है। देश में वायरलेस ग्राहकों की संख्या 50.4 लाख बढ़कर अप्रैल-जून में 117.05 करोड़ पहुंच गई है। मासिक आधार पर संख्या 0.43 फीसदी और सालाना आधार पर 2.36 फीसदी बढ़ी है। इस दौरान वायरलाइन ग्राहकों की संख्या मासिक आधार पर 3.90 फीसदी और सालाना आधार पर 15.81 फीसदी बढ़कर 3.51 करोड़ पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक देश में कुल दूरसंचार घनत्व तिमाही आधार पर 85.69 फीसदी से बढ़कर 85.95 फीसदी पहुंच गया। ग्रामीण इलाकों में यह 59.19 फीसदी से बढ़कर 59.65 फीसदी पहुंच गया, जबकि शहरी दूरसंचार घनत्व 133.72 फीसदी से घटकर 133.46 फीसदी रह गया। वायरलेस दूरसंचार घनत्व 83.27 फीसदी से बढ़कर 83.45 फीसदी पहुंच गया है।

रतन टाटा के निधन पर बोले अंबानी- मैंने एक अच्छा दोस्त खो दिया

अडाणी और आनंद म हिंद्रा ने भी रतन टाटा के निधन पर जताया दुख

मुंबई । टाटा समूह के मानद चेयरमैन रतन टाटा नहीं रहे। उन्होंने मुंबई स्थिति अस्पताल में बुधवार को अंतिम सांस ली। रिलायंस के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने रतन टाटा को भारत के सबसे प्रतिष्ठित और परोपकारी बेटों में से एक बताया। अंबानी के अलावा अरबपति गौतम अडानी और ऑटो क्षेत्र के दिग्गज आनंद महिंद्रा ने भी टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया। अंबानी ने कहा, यह भारत के लिए बहुत दुखद दिन है। रतन टाटा का जाना सिर्फ टाटा समूह ही नहीं, बल्कि हर भारतीय के लिए बहुत बड़ी क्षति है। व्यक्तिगत स्तर पर रतन टाटा के जाने से मैं बेहद दुख में हूं, क्योंकि मैंने अपने एक अच्छे दोस्त को खो दिया है। उनके साथ हुई कई मुलाकातों में हर बार मुझे प्रेरित किया, ऊर्जा दी और उनके अपनाए हुए मूल्यों के प्रति मेरा सम्मान बढ़ाया। उन्होंने कहा` कि रतन टाटा दूरदर्शी कारोबारी और परोपकारी थे, जो हमेशा समाज की अच्छाई के लिए काम करते थे। उन्होंने कहा, रतन टाटा के जाने से भारत ने सबसे पुत्र और दयालु बेटे को खो दिया है। टाटा ने भारत को दुनिया के सामने रखा और दुनिया की अच्छी चीजों को भारत लेकर आए। उन्होंने टाटा घराने को संस्थागत बनाया और साल 1991 में टाटा समूह संभालने के बाद इसे 70 गुना बढ़ा दिया। उन्होंने कहा, रिलायंस, नीता और अंबानी परिवार की तरफ से मैं टाटा परिवार के शोकाकुल सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। रतन, आप हमेशा मेरे दिल में रहेंगे। अडानी ने कहा कि भारत ने एक दिग्गज, एक दूरदर्शी व्यक्ति को खो दिया है जिन्होंने आधुनिक भारत के मार्ग को फिर से परिभाषित किया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रतन टाटा सिर्फ एक कारोबारी नेता नहीं थे, उन्होंने ईमानदारी, करुणा और व्यापक भलाई के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता के साथ भारत की भावना को मूर्त रूप दिया।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) से आयी है। इसके अलावा अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से एक बार फिर ब्याज दरों में कमी की उम्मीद से भी बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज 144.31 अंक करीब 0.18 फीसदी बढ़कर 81,611.41 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.07 फीसदी या 16.50 अंक बढ़कर 25 हजार के करीब 24,998.45 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.32 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा सनफार्मा, इन्फोसिस, टाटा मोटर्स, टाइटन, एलऐंडटी और टीसीएस के शेयर भी नीचे आये। वहीं दूसरी ओर कोटक बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 4.16 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। साथ ही एचडीएफ़सी बैंक, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, मारुति, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। इससे पहले गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी 50 बढ़त के साथ खुले। शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 250 अंकों की बढ़त के साथ 81,717 पर खुला, जबकि निफ्टी50 87 अंकों की बढ़त के साथ 25,069 पर कारोबार करता दिखा।

दूसरी ओर एशिया-प्रशांत के अधिकांश बाजारों में आज मजबूती देखी गई, जिसका मुख्य कारण वॉल स्ट्रीट की बढ़त रही। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 शुरुआती कारोबार में 0.5 फीसदी ऊपर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.2 फीसदी बढ़ा। हालांकि छोटे कैप कोस्डेक में 0.2 फीसदी की गिरावट देखी गई। जापान का निक्कई 225 इंडेक्स 0.5 फीसदी की बढ़त के साथ खुला, जबकि व्यापक टो पिक्स 0.4 फीसदी बढ़ा। ट्रेडर्स जापान के सितंबर के प्रोड्यूसर प्राइस डेटा का मूल्यांकन कर रहे हैं, जो साल-दर-साल 2.8 फीसदी बढ़ा, जो 2.3 फीसदी की उम्मीद से अधिक रहा।

अनिल अग्रवाल की वेदांता पर 92 करोड़ का जुर्माना

- 10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल

मुंबई ।

अनिल अग्रवाल की वेदांता लिमिटेड पर भारी जुर्माना लगाया गया है, जिसमें 92.04 करोड़ रुपये का टैक्स जुर्माना और 10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त जुर्माना शामिल है। इसके साथ ही, कंपनी को कस्टम ड्यूटी और उस पर लगने वाले ब्याज का भी भुगतान करना होगा। यह जानकारी कंपनी ने शेयर बाजार को दी। यह जुर्माना तब लगाया गया है जब अनिल अग्रवाल ने हाल ही में सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत की आयरन ओर इंडस्ट्री संकट में है। उनका कहना था कि ऊंचे नीलामी प्रीमियम, सीमित ऑफर और खदानों के धीमे संचालन के कारण यह स्थिति बनी है। सरकार ने उनके आरोपों को भ्रामक और गलत बताया था। जुर्माने की कार्रवाई वेदांता द्वारा आयात से पहले की शर्तों के उल्लंघन के कारण हुई है। ये शर्तें एडवांस ऑथराइजेशन के तहत किए गए आयात पर सीमित समय के लिए लागू थीं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि कंपनी को तूतीकोरिन के कस्टम कमिश्नर के दफ्तर से एक आदेश प्राप्त हुआ है, जिसमें 92,03,85,745 रुपये का जुर्माना और 10,00,00,000 रुपये का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही कस्टम ड्यूटी और उस पर लगने वाला ब्याज भी मांगा गया है। वेदांता ने कहा है कि वह इस आदेश की समीक्षा कर रही है और उचित समय पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। कंपनी का मानना है कि उसके पास मजबूत कानूनी आधार हैं, खासकर हालिया न्यायिक फैसलों के संदर्भ में। वेदांता का यह कहना है कि इस आदेश का कंपनी की वित्तीय स्थिति, संचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह घटनाक्रम वेदांता के सामने आने वाली नियामक चुनौतियों को और बढ़ा देता है। कंपनी हाल के वर्षों में कई कानूनी और परिचालन संबंधी बाधाओं का सामना कर रही है। वेदांता लिमिटेड एक ग्लोबल प्राकृतिक संसाधन कंपनी है, जो खनिजों और धातुओं की खोज, निकासी और प्रसंस्करण से जुड़ी है। भारत और अन्य देशों में कंपनी की मजबूत उपस्थिति खनन और धातु उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

रतन टाटा ने उद्यमियों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया: फिक्की

नई दिल्ली । उद्योग मंडल फिक्की ने उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर गुरुवार को शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक ऐसा आदर्श बताया, जिन्होंने नैतिक पूंजीवाद के अपने दृष्टिकोण से उद्यमियों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। फिक्की के अध्यक्ष अनीश शाह ने कहा कि फिक्की रतन टाटा को न केवल एक सफल व्यवसायी के रूप में बल्कि एक आदर्श व्यक्ति के रूप में भी याद करता है, जिन्होंने ईमानदारी, विनम्रता तथा सामाजिक जिम्मेदारी के मूल्यों को अपनाया। इसी तरह भारतीय वाणिज्य एंव उद्योग मंडल (एसोचैम) ने रतन टाटा को एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बताया, जिनका प्रभाव भारतीय उद्योग जगत से परे फैला है। एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि टाटा ने न केवल विविधतापूर्ण टाटा समूह को दुनिया के कई देशों में पहुंचाया, बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी, मोटर वाहन, इस्पात तथा आतिथ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक परिदृश्य पर भारत की ब्रांड इक्विटी में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन भारत के उद्यमियों के लिए वैश्विक स्तर पर सोचने और आगे बढ़ने, बेदाग प्रतिष्ठा तथा कॉर्पोरेट प्रशासन के उच्च मानक को बनाए रखने के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

अदाणी समूह के सात हवाई अड्डों पर थालेस लगाएगी स्मार्ट डिजिटल मंच

मुंबई ।

थालेस अदाणी समूह के परिचालन वाले सात भारतीय हवाई अड्डों पर एक स्मार्ट डिजिटल मंच की तैनाती करेगी। यह मंच हवाई अड्डे के समग्र प्रबंधन, सुरक्षा और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सभी जरूरी अनुप्रयोगों को केंद्रीय रूप से संभालेगा। थालेस और अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है।नयी दिल्ली ।

यूरोपीय कंपनी थालेस अदाणी समूह के परिचालन वाले सात भारतीय हवाई अड्डों पर एक स्मार्ट डिजिटल मंच की तैनाती करेगी। यह मंच हवाई अड्डे के समग्र प्रबंधन, सुरक्षा और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सभी जरूरी अनुप्रयोगों को केंद्रीय रूप से संभालेगा।

बुधवार को जारी बयान के मुताबिक, थालेस और अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इसमें थालेस को सात हवाई अड्डों- मुंबई, अहमदाबाद, गुवाहाटी, जयपुर, लखनऊ, मंगलुरु और तिरुवनंतपुरम में नवोन्मेषी हवाई अड्डा संचालन नियंत्रण केंद्र (एपीओसी) तैनात करने का अनुबंध मिला है। बयान के मुताबिक, थालेस की तरफ से हवाई अड्डों पर लगाया जाने वाला क्लाउड-आधारित 'स्मार्ट डिजिटल मंच' हवाई अड्डे के समग्र प्रबंधन, सुरक्षा और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सभी जरूरी अनुप्रयोगों को केंद्रीय रूप से संभालेगा।

जल्द ही लागू किया जाने वाला यह समाधान अनियोजित संसाधन की कमी का अनुमान लगाएगा और उसे कम करेगा ताकि पूर्वानुमान और वैश्विक दक्षता बढ़ाई जा सके।

उन्नत प्रौद्योगिकी मुहैया कराने वाली कंपनी थालेस ने 2024 की शुरुआत से ही इन हवाई अड्डों पर 'फ्लाई टू गेट' समाधान तैनात कर दिया है। अदाणी समूह ने कहा कि इन हवाई अड्डों पर यात्रियों के प्रसंस्करण समय को 30 प्रतिशत तक कम करते हुए जिम्मेदार बायोमेट्रिक समाधानों का यह सहज एकीकरण भारत सरकार के डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण से मेल खाता है।

अमेरिकी दृष्टिकोण से भारत महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक भूमिका निभाता है: यूएसआईएसपीएफ

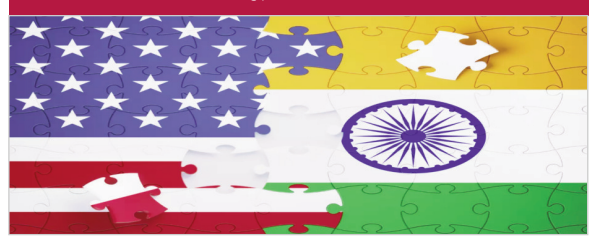

वाशिंगटन ।

अमेरिकी दृष्टिकोण से भारत महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक भूमिका निभाता है और अमेरिकी कंपनियों को विनिर्माण क्षेत्र में चीन से उत्पन्न खतरे को कम करने का अवसर देता है। अमेरिका-भारत सामरिक एवं साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि की गाथा बेहद शानदार है। भारत उन बहुत कम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से है जो सात से आठ प्रतिशत की दर से वृद्धि कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी दृष्टिकोण से भारत भू-राजनीतिक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अे धिकारी ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जो बाजार में अवसर प्रदान कर रही है। खासकर अमेरिकी कंपनियों को जो यहां आकर निवेश करती हैं और बाजार में हिस्सेदारी हासिल करती हैं। यह एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जो विनिर्माण क्षेत्र में चीन से खुद को जोखिम मुक्त कर रही है। उन्होंने ककि कि हम देख रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था सिर्फ बाजार के लिए अवसर नहीं बन रही है, बल्कि यह विनिर्माण के लिए अवसर बन रही है लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हम भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों की वृद्धि देख रहे हैं। उन्होंने कहा` कि 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी आने की उम्मीद है। भारत करीब 125 अरब अमेरिकी डॉलर की सेवाओं का निर्यात कर रहा है। यह टिप्पणी 14 अक्टूबर को भारत में हो रहे यूएसआईएसपीएफ के वार्षिक शिखर सम्मेलन से पहले की है। फॉर्च्यून 100 के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) सहित कई बड़े अमेरिकी उद्योगपति इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचेंगे। शिखर सम्मेलन में भारत-अमेरिका साझेदारी को आगे बढ़ाने और मजबूत करने के लिए विचारोत्तेजक सत्र तथा चर्चाएं होंगी।

साल 2030 तक 4 लाख यूनिट्स की वार्षिक बिक्री करेगी किआ

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रिक कारों की लोकप्रियता को देखते हुए, किआ इंडिया भी इस सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी कर रही है। कंपनी का लक्ष्य है कि वह साल 2030 तक भारत में 4 लाख यूनिट्स की वार्षिक बिक्री हासिल करे। इस योजना के तहत, किआ इंडिया 2025 की पहली छमाही में एक नई इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने जा रही है, जो किआ कैरेंस ईवी हो सकती है। किआ कैरेंस ईवी की लॉन्चिंग अगले साल यानी 2025 की दूसरी छमाही में होने की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह कार एक बार चार्ज होने पर 500 किलोमीटर से ज्यादा की ड्राइविंग रेंज प्रदान कर सकती है। इसके अलावा, किआ कैरेंस ईवी में पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड सीट्स, और 12.3 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम होगा, जो वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो को सपोर्ट करता है। सेफ्टी के लिहाज से किआ कैरेंस ईवी में 6-एयरबैग और लेवल-2 अडास (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) जैसी सुविधाएं शामिल की जाएंगी। इसके अलावा, कार में पैनोरमिक सनरूफ भी होगा, जो इसे एक प्रीमियम टच देगा। किआ इंडिया एक नई कॉम्पैक्ट एसयूवी भी विकसित कर रही है, जिसका नाम साइरोस रखा जा सकता है। यह एसयूवी कंपनी के लाइनअप में सोनेट से ऊपर प्लेस की जाएगी और उन ग्राहकों को टारगेट करेगी, जो सोनेट से थोड़ा बड़ा और अधिक प्रीमियम विकल्प चाहते हैं। किआ कैरेंस ईवी और साइरोस जैसे नए मॉडल्स से उम्मीद की जा रही है कि ये किआ की भारतीय बाजार में पकड़ को और मजबूत करेंगे और इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में उनकी स्थिति को और बेहतर बनाएंगे। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों से भारतीय ग्राहकों के बीच इलेक्ट्रिक कारों की मांग तेजी से बढ़ी है। हालांकि, इस सेगमेंट में फिलहाल टाटा मोटर्स का दबदबा कायम है। टाटा मोटर्स की बाजार हिस्सेदारी करीब 65 प्रतिशत है, जो भारत में बेची जाने वाली कुल इलेक्ट्रिक कारों का एक बड़ा हिस्सा है।

छोटे खाद्य कारोबारियों को नहीं देना होगा पंजीयन शुल्क

नई दिल्ली ।

छोटे खाद्य कारोबारियों (फेरी वालों) को अब पंजीयन शुल्क नहीं देना होगा क्यों कि सरकार ने फेरी वालों के लिए पंजीयन शुल्क को माफ करने का निर्णय लिया है। हालांकि जिन्होंने पहले आवेदन कर दिए हैं, उन्हें शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा व मानक विनियम, 2011 के तहत प्रत्येक छोटे खाद्य व्यवसाय संचालकों यानी खाद्य कारोबारियों को पंजीयन कराना होता है। इसके लिए इन कारोबारियों को सालाना 100 रुपये शुल्क देना होता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसए) ने एक आदेश जारी कर फेरीवालों के लिए लगने वाले इस शुल्क को माफ करने की घोषणा की है। इस आदेश में कहा गया है कि फेरीवाला का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो पैकेज्ड या ताजे तैयार किए गए खाद्य पदार्थों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पैदल या चलने वाले ठेलों पर बेचता है। इस आदेश में यह भी कहा कि शुल्क माफी का यह फैसला 28 सितंबर से लागू होगा। एफएसएसएआई ने फेरीवालों का पंजीयन शुल्क माफ करने के साथ ही उन्हें नये पंजीकरण के लिए आवेदन करने पर 5 वर्षों के लिए पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदान करने का भी निर्णय लिया है। एफएसएसएआई ने नये पंजीयन के लिए शुल्क माफ करने के साथ ही मौजूदा पंजीयन का नवीनीकरण कराने पर भी फेरीवालों को राहत दी है। अब फेरी वालों को मौजूदा पंजीयन का नवीनीकरण कराने पर भी शुल्क नहीं देना होगा। हालांकि जो फेरी वाले पंजीयन के लिए आवेदन कर चुके हैं, उन्हें राहत नहीं दी गई है। एफएसएसएआई द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि जिन फेरी वालों ने 28 सितंबर, 2024 से पहले पंजीयन के लिए आवेदन किए हैं और उनके आवेदन प्रक्रिया में हैं, उनकी शुल्क वापसी पर विचार नहीं किया जाएगा।

क्रिकेट जगत ने दी रतन टाटा को श्रद्धांजलि, बोले देश ने एक महान रत्न खो दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। । देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में शामिल टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा को क्रिकेट जगत ने भी श्रद्धांजलि दी है। रतन टाटा का बुधवार रात को 86 साल की उम्र में निधन हो गया था। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांसें ली। उनके निधन से देश भर में शोक की लहर है। भारतीय क्रिकेटरों ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, हमने देश के एक सच्चे रत्न को खो दिया है। श्री रतन टाटा जी। उनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है। आप हमेशा हमारे दिल में रहेंगे। ओम शांति।

वहीं पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, भारत ने आज एक सच्चे आइकन को खो दिया। रतन टाटा सर के दूरदर्शी नेतृत्व, उनकी करुणा और परोपकार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने हमारे देश और दुनिया पर एक अलग छाप छोड़ी है। उनकी विरासत हम सभी को प्रेरणा देती रहेगी। ओम शांति।

वहीं हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा, सतनाम वाहेगुरु, रतन टाटा जी आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक के रूप में हमेशा हमारे दिलों में बने रहेंगे। उनके नेतृत्व, विनम्रता और नैतिकता और मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने एक ऐसा मानदंड स्थापित किया जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उनकी विरासत को हमेशा याद किया जाएगा, न केवल उनके द्वारा बनाई गई कंपनियों के लिए, बल्कि उन अनगिनत जिंदगियों के लिए भी, जिन्हें उन्होंने अपनी करुणा और उदारता से छुआ। ईश्वर उनकी आत्म को शांति दे।

वहीं सूर्यकुमार यादव ने कहा, दयालुता का प्रतीक, सबसे प्रेरणादायक, एक आदमी का चमत्कार। सर, आपने बहुत सारे दिलों को छू लिया है। आपका जीवन राष्ट्र के लिए वरदान रहा है। आपकी अंतहीन और बिना शर्त सेवा के लिए धन्यवाद। आपकी विरासत जीवित रहेगी। इसके अलावा कई अन्य क्रिकेटरों और क्रिकेट जगत से जुड़े लोगों ने भी रतन टाटा को याद किया है।

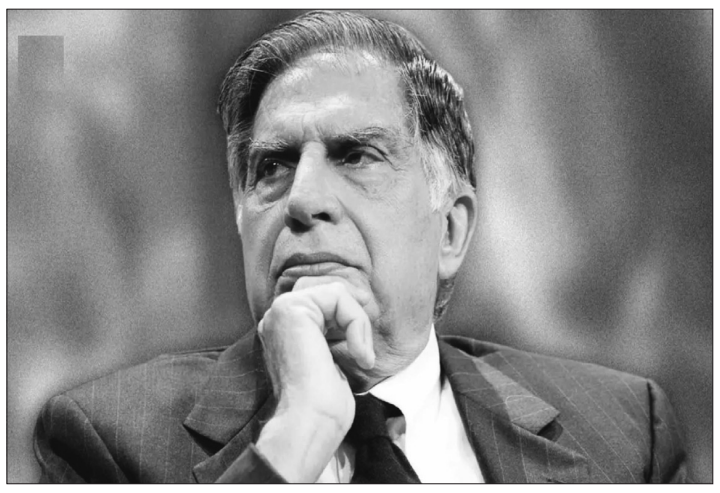

भारतीय पुरुष टीम ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम बृहस्पतिवार को कजाकिस्तान के अस्ताना में चल रही एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में चीनी ताइपे से 0-3 से हार गई जिससे उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने बुधवार को इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था जो 1972 से शुरू हुई इस चैम्पियनशिप के इस वर्ग में देश का पहला पदक है।

विश्व रैंकिंग में 42वें नंबर पर काबिज दिग्गज अचंता शरत कमल को दुनिया के सातवें नंबर के प्रतिद्वंद्वी लिन युन जू से कड़ी चुनौती मिली और वह 11-7, 12-10, 11-9 से पराजित हो गए। इसके बाद मानव ठक्कर को दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी काओ चेंग-जुई से शिकस्त झेलनी पड़ी। चीनी ताइपे के इस खिलाड़ी ने ठक्कर को 11-9, 8-11, 11-3, 13-11 से हरा दिया। भारतीय टीम 0-2 से पिछड़ रही थी।

तीसरे मैच में हरमीत देसाई को भी निराशा का सामना करना पड़ा जो हुआंग यान-चेंग से 6-11, 9-11, 7-11 से हार गये। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'हार के बावजूद भारतीय पुरुष टीम गर्व महसूस कर सकती है क्योंकि इस प्रतिष्ठित एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। पुरुष और महिला टीमों ने शानदार जज्बा और दृढ़ संकल्प दिखाया जिससे पता चलता है कि कि भारत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस में लगातार आगे बढ़ रहा है।'

शाकिब ने माफी मांगी, स्वदेश में अपना अंतिम टेस्ट खेलने की इच्छा जतायी

दुबई (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने देश में आरक्षण के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान कोई प्रतिक्रिय व्यक्त नहीं करने के लिए माफी मांगी है। ऐसे में माना जा रहा है कि शाकिब स्वदेश लौटकर जिससे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेल सकते हैं। शाकिब 21 अक्टूबर से मीरपुर में होने वाले इस टेस्ट के बाद इस प्रारूप से संन्यास ले लेंगे। इस मैच के बाद उकने अमेरिका जाने की संभावना है क्योंकि उनका परिवार वहीं रहता है। शाकिब ने फेसबुक पर लिखा, 'मैं उन सभी छात्रों को श्रद्धांजलि देता हूं जिनकी आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान मौत हुई या जो घायल हुए।

बांग्लादेश में शाकिब पर हत्या का एक मामला भी दर्ज हुआ है और उनकी गिरफ्तारी की भी आशंका है। शाकिब ने कहा, 'प्रियजनों को खोने की कमी की कोई भरपाई नहीं कर सकता। बच्चे या भाई को खोने की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। इस नाजुक दौर में मेरी खामोशी से आहत हुए लोगों से मैं माफी चाहता हूं। शेख हसीना सरकार में संसद सदस्य रहे शाकिब ने कहा, 'मैं आपकी जगह होता तो मैं भी दुखी होता। शाकिब ने अपना अंतिम टेस्ट बांग्लादेश में खेलने की इच्छा जताई है पर कहा है कि उन्हें वर्तमान सरकार पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराए। भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद वह यूएई चले गए क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप के बाद इस प्रारूप को अलविदा कह दिया था। उन पर प्रदर्शनों के दौरान एक छात्र की हत्या का आरोप है जबकि शाकिब उस समय कनाडा में एक टी20 लीग खेल रहे थे।

वहीं बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष फारूक अहमद ने शाकिब के अनुरोध को खारिज करते हुए कहा था कि बीसीबी कोई सुरक्षा एजेंसी नहीं है और उन्हें सुरक्षा कवर की गारंटी नहीं दे सकती। सरकार के खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने हालांकि कहा कि अपना राजनीतिक नजरिया अगर वह स्पष्ट कर देते हैं तो उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जा सकती है। शाकिब के सार्वजनिक माफीनामे के बाद अब लगता है कि वह मीरपुर के शेर ए बांग्ला स्टेडियम पर अपना आखिरी टेस्ट खेल सकते हैं।

पाकिस्तान/ इंग्लैंड : 27 साल बाद टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में बने 800 से ज्यादा रन

पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड ने 823 रन बनाकर रिकॉर्ड बुक में जोड़ नए अध्याय

मुल्तान (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट का 2553वां मैच रिकॉर्ड बुक में हमेशा अपना विशेष स्थान बनाए रखेगा क्योंकि इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ यहां खेले जा रहे मैच में अपनी पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर समाप्त घोषित करके कुछ नए रिकॉर्ड बनाए। यह टेस्ट क्रिकेट में केवल चौथा अवसर है जबकि किसी टीम में 800 से अधिक रन बनाए। यह टेस्ट क्रिकेट में चौथा बड़ा स्कोर भी है।

रिकार्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छह विकेट पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी। श्रीलंका ने तब टेस्ट क्रिकेट में सर्वोच्च स्कोर के इंग्लैंड के रिकॉर्ड को तोड़ा था जिसने 1938 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पारी सात विकेट पर 903 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी।

इंग्लैंड ने इससे पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रूट ने 262 रन बनाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एलिस्टेयर कुक को पीछे छोड़ा। वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, जाक कैलिस और राहुल द्रविड़ के बाद पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

हैरी ब्रूक ने 317 रन की बड़ी पारी खेली जो टेस्ट क्रिकेट में किसी एक पारी में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर

एक पारी में सर्वाधिक रन

की सूची में संयुक्त रूप से 20वें नंबर पर है। वह टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाले इंग्लैंड के छठे बल्लेबाज बन गए हैं। यह 1990 में ग्राहम गूच के भारत के खिलाफ लगाए गए तिहरे शतक के बाद पहला अवसर है जबकि इंग्लैंड के किसी बल्लेबाज ने यह उपलब्धि हासिल की।

रूट और ब्रूक ने 454 रन जोड़े जो इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में चौथे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड श्रीलंका के कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने के नाम पर है जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2006 में 624 रन की साझेदारी की थी। पाकिस्तान के छह गेंदबाजों ने 100 से अधिक रन लुटाए। यह टेस्ट क्रिकेट में केवल दूसरा अवसर है जबकि छह गेंदबाजों ने एक पारी में 100 से अधिक रन दिए। इससे पहले 2004 में जिंबॉब्वे के गेंदबाजों ने श्रीलंका के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाया था।

आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा को करना पड़ सकता है अविश्वास प्रस्ताव का सामना, जानें पूरा मामला

मई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ की पहली महिला अध्यक्ष बनने के दो साल से भी कम समय के बाद, प्रसिद्ध एथलीट पीटी उषा को 25 अक्टूबर को इसकी विशेष आम बैठक के दौरान अविश्वास मत का सामना करना पड़ सकता है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, कार्यकारी परिषद द्वारा बैठक के एजेंडा मुद्दों के बिंदु संख्या 26 के अनुसार, आईओए, कथित संवैधानिक उल्लंघनों और भारतीय खेलों के लिए संभावित रूप से हानिकारक कार्यों के मद्देनजर प्रेसिडेंट के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और विचार करेगा। पीटी उषा का आईओए के कार्यकारी परिषद के सदस्यों के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा है और दोनों तरफ से आरोप लग रहे हैं। आईओए की प्रमुख बनने वाली पहली महिला पीटी उषा ने कथित तौर पर पात्रता मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए कई कार्यकारी परिषद सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दूसरी ओर, उनके विरोधियों ने पीटी उषा पर ज्यादती का आरोप लगाया है। पेरिस ओलंपिक में आतिथ्य लाउंज के लिए रिलायंस के साथ अनुबंध के संबंध में भारत के नियंत्रक एंव महालेखा परीक्षक ने भी उनसे पूछताछ की है।

कोच और कप्तान ने तेजी से खेलने को कहा था : रिंकू

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में तेजी से अर्धशतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले रिंकू सिंह ने कहा है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें खुलकर खेलने को कहा था। रिंकू के अनुसार कोच और कप्तान ने खिलाड़ियों से मैदान पर अपने अनुसार खेलने को कहा था। साथ ही कहा था कि वे निडर होकर शॉट लगायें। रिंकू ने इस मैच में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों पर 53 रन बना दिये। इस दौरान रिंकू की नीतीश रेड्डी 74 के साथ 49 गेंदों पर 108 रनों की शानदार साझेदारी

हुई। इससे भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रही। भारत की इस सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त को लेकर रिंकू ने कहा, कोच और कप्तान ने हमें अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए कहा था। हमें आक्रामक रुख अपनाने की पूरी आजादी दी गयी थी। रिंकू ने कहा, कोच ने हमें खुद पर भरोसा करने और अपना खेल खेलने के लिए कहा था। उन्होंने हमें गेंद को हिट करने की पूरी आजादी दी थी। रिंकू को इस मैच में तब बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, जब भारतीय टीम ने पावरप्ले के अंदर ही 41 रन पर तीन विकेट खो दिये थे। इस बल्लेबाज ने कहा, मैं जिस स्थान पर खेलता हूं, वहां मुझे खेल के अलग-अलग मोड़ पर बल्लेबाजी करनी पड़ती है। जब भी मैं पहले बल्लेबाजी करने आता हूं, तो मेरा लक्ष्य एक और दो रन लेकर खराब गेंदों पर हमला करना होता है। वहीं जब मैं 2 से 3 ओवर बचे होने पर बल्लेबाजी करने आता हूं, तो मेरा लक्ष्य अधिक से अधिक बाउंड्री लगाने का होता है।

एचआईएल से नई प्रतिभाएं सामने आयेंगी: सलिमा टेटे

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने एक बार फिर से हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की शुरुआत पर खुशी जतायी है। सलीमा ने कहा कि इस लीग से युवा खिलाड़ियों को तराशने में सहायता मिलेगी। इससे टीम के पास बैकअप के तौर पर कई अच्छी खिलाड़ी उपलब्ध होंगी। इस साल के अंत में शुरू होने वाली इस बहुप्रतीक्षित लीग की सात साल बाद वापसी हो रही है। हॉकी इंडिया ने एचआईएल में महिलाओं की अलग स्पर्धा पहली बार आयोजित करना तय किया है। ये पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ चलेगी। यह लीग 28 दिसंबर से एक फरवरी तक दो आयोजन स्थलों रांची और राउरकेला में खेली जाएगी। पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ तो महिलाओं की प्रतियोगिता में छह टीमें भाग लेंगी।

सलीमा ने कहा, 'मैं एचआईएल की

शुरुआत को लेकर बेहद उत्साहित हूं, यह सात साल बाद दोबारा शुरू हो रहा है और इस बार इसमें महिला लीग भी है। पूरी टीम पिछले कुछ दिनों से इस बात पर बात कर रही थी। इसमें हमें अलग-अलग देशों के खिलाड़ियों से मिलने, उनके साथ खेलने का अवसर मिलेगा। इससे हम अपने प्रदर्शन में सुधार ला सकेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, 'इससे युवा खिलाड़ियों को खेल को बेहतर समझने का मौका मिलेगा। करियर की शुरुआत में ही दबाव वाले पेशेवर माहौल में खेलने से उन्हें बेहतर अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि एचआईएल टीम से बाहर रहने वाले खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी पेश करने का अवसर देगा।

इस लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक होगी। इसमें सभी फ्रैंचाइजी को 24 खिलाड़ियों वाली टीम बनानी होगी जिसमें कम से कम 16 भारतीय चार जूनियर खिलाड़ी रखना अनिवार्य रहेगा। इसके अलावा आठ विदेशी खिलाड़ी शामिल रहेंगे। सलीमा ने कहा, 'नीलामी जल्द ही होने वाली है और शिविर में इसे लेकर काफी हलचल है। यह पहला सत्र है इसलिए मैं रांची टीम के लिए ही खेलना पसंद करूंगी।

22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल ने संन्यास की घोषणा की, जानें कब खेलेंगे अंतिम मैच

स्पोर्ट्स डेस्क। दिग्गज टेनिस स्टार और 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल ने संन्यास की घोषणा कर दी है। नडाल ने पुष्टि की है कि वह इस सत्र के बाद पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लेंगे। 38 वर्षीय टेनिस आइकन नवंबर में मैलागा में होने वाले डेविस कप फाइनल में स्पेन के लिए अपना अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच खेलेंगे। नडाल ने गुरुवार को जारी एक वीडियो संदेश के माध्यम से यह खबर साझा की जिसमें उन्होंने अपने हालिया संघर्षों और खेल के कारण अपने शरीर पर पड़ने वाले शारीरिक प्रभाव के बारे में बताया। संन्यास की घोषणा करते हुए वीडियो में नडाल ने कहा, 'जीवन में हर चीज की शुरुआत और अंत होता है। मुझे लगता है कि यह एक ऐसे करियर को समाप्त करने का सही समय है जो मेरी कल्पना से कहीं अधिक लंबा और सफल रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत उत्साहित हूं कि मेरा आखिरी टूर्नामेंट डेविस कप का फाइनल होगा, जिसमें मैं अपने देश का प्रतिनिधित्व करूंगा। मुझे लगता है कि मैं एक पूर्ण चक्र में आ गया हूं क्योंकि एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में मेरी पहली खुशियों में से एक 2004 में डेविस कप फाइनल था।'

ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम को रहना होगा सावधान: लारा

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने कहा है कि भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया दौर में सतर्क रहना होगा। लारा के अनुसार मेजबान टीम अपनी पिचों पर बेहद खतरनाक बन जाती है। भारतीय टीम आने वाले दिनों में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। यह सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में पहले टेस्ट के साथ शुरू हो जाएगी। पिछले कुछ साल में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पिछली चार सीरीज़ लगातार जीती हैं, जिसमें 2018-19 और 2020-21 सीज़न में ऑस्ट्रेलिया में दो जीत

शामिल हैं। भारत ने 10 बार ये सिरीज जीत है जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल पांच बार ही इसे जीत पायी है। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम बार घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ 2014-15 सत्र में जबकि भारत में अंतिम सीरीज जीत 2004-05 में जीती थी।

लारा ने कहा कि भारत में हालात बदल गये हैं। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की भी प्रशंसा की है। आईपीएल के साथ, भारत के पास अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आ रहे हैं। इसमें आप अपने खिलाड़ियों को एक अलग स्तर की प्रतिस्पर्धा में खेलने का अवसर दे रहे हैं, जो बहुत अच्छा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके तटों पर खेलना आसान नहीं है। वह अपने घर पर एक अलग प्रकार की टीम है।

आईपीएल के शुरुआत से ही एक टीम से खेले हैं ये खिलाड़ी

नई दिल्ली(हिन्द दर्पण)। मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल 2025 सत्र के लिए सभी टीमों ने अपनी-अपनी तैयारियां शुरु कर दी हैं। इसी के तहत टीम ये विचार कर रही हैं कि किन खिलाड़ियों को रिटेन किया जाये और किन्हें रिलीज करना ठीक रहेगा। वहीं अब तक आईपीएल इतिहास में केवल 5 खिलाड़ी ऐसे हैं हैं जिन्हें कभी रिलीज नहीं किया गया। ये खिलाड़ी शुरुआत में जिस टीम में शामिल हुए अब भी उसी में बने हुए हैं। इन खिलाड़ियों में सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी, ऋषभ पंत, सुनील नरेन जैसे खिलाड़ी हैं।

सचिन तेंदुलकर - जब 2008 में आईपीएल की शुरुआत हुई तब सचिन तेंदुलकर को मुंबई इंडियंस का आइकॉन प्लेयर चुना गया। आइकॉन प्लेयर का मतलब था कि वह खिलाड़ी नीलामी में नहीं उतरेगा। इसके अलावा आइकॉन

प्लेयर को टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी से 15 फीसदी ज्यादा रकम मिलेगी। सचिन 2008 से 2013 में संन्यास लेने तक मुंबई इंडियंस में ही थे।

महेंद्र सिंह धोनी - धोनी आईपीएल 2008 में सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे। तब चेन्नई सुपरकिंग्स ने धोनी को 15 लाख डॉलर की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया था। तब से सीएसके ने धोनी को कभी रिलीज नहीं किया है

विराट कोहली - विराट आईपीएल की शुरुआत से ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से खेल रहे हैं. कोहली 2013 से 2021 तक इस टीम के कप्तान भी रहे हैं। विराट भले ही आरसीबी को खिताब नहीं जिता पाए पर वह आईपीएल इतिहास में सबसे अधिक 8004 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। बेंगलुरू की टीम कोहली की कप्तानी में आईपीएल 2016 का फाइनल खेल चुकी है।

ऋषभ पंत - ऋषभ भी उन क्रिकेटरों में शुमार हैं, जो आईपीएल में डेब्यू करने से लेकर अब तक एक ही टीम से खेल रहेहे हैं। ऋषभ को दिल्ली डेयर डेविल्स ने 2016 में नीलामी के जरिये अपनी टीम में शामिल किया। वह तब से ही इसी टीम से खेल रहे हैं. साल 2021 में श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के बाद उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया। सुनील नरेन -नरेन ने भी आईपीएल में जब से प्रवेश लिया है तब से एक ही टीम के लिए खेल रहे हैं। नरेन को 2012 में कोलकाता नाइटराइडर्स ने 7 लाख डॉलर की बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया था।

पीसीबी में युवा क्रिकेट निदेशक बन सकते हैं अजहर अली

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान अजहर अली क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में युवा विकास कार्यक्रम के निदेशक बनाये जा सकते हैं। पीसीबी ने युवा क्रिकेट निदेशक के पद के लिए विज्ञापन दिया जिसमें उन्होंने इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन मांगा है। इसमें शर्त है कि उम्मीदवारों ने अपने देश की ओर से कम से कम 50 टेस्ट मैच खेले हों। ऐसे में अजहर इस पद की दौड़ में सबसे आगे हैं क्योंकि उन्होंने जूनियर स्तर के खिलाड़ियों के साथ काम करने और व्यवस्था को बेहतर बनाने में अपनी रुचि भी व्यक्त की है। इसके अलावा एक अन्य पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ भी इस पद के लिए दावेदार हैं। हाल ही में

उन्होंने राष्ट्रीय चयनकर्ता के पद से इस्तीफा दिया है। पीसीबी ने यह तस करने के लिए नया पद बनाया है कि नियुक्त उम्मीदवार क्षेत्रीय कोच, अकादमियों और खिलाड़ियों के साथ अंडर-13 से अंडर-19 स्तर पर बेहतर तरीके से समन्वय स्थापित कर सके। उन्हें नई प्रतिभाओं की खोज करने और उन्हें सही प्रणाली के माध्यम से तैयार करने का भी काम दिया जाएगा। इसके अलावा इस पद पर बैठे व्यक्ति की जिम्मेदारी विभिन्न आयु वर्ग के टूर्नामेंटों में आयु सत्यापन करने रहेंगा जिससे धोखाधड़ी की संभावना न रहे। इसके साथ ही राजनीतिक हस्तक्षेप को भी रोकना होगा।

सांसद प्रभुभाई वसावा की अध्यक्षता में मांडवी में यातायात जागरूकता और खाद्य सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित: छात्रों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया

सूरत।

2 अक्टूबर तक आज तक आयोजित च्सेवा पखवाड़ाज् के तहत नर्मद विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों के छात्रों की उपस्थिति में मांडवी हाई स्कूल में तापीवन ग्राम विकास चैरिटेबल ट्रस्ट और संबंधित विभाग द्वारा सांसद प्रभुभाई वसावा की अध्यक्षता में यातायात जागरूकता और खाद्य सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस मौके पर सांसद प्रभुभाई वसावा ने कहा कि च्युवा बचाओज् कार्यक्रम के तहत सूरत और तापी जिले के ड्राइविंग लाइसेंस वाले युवक-युवतियों को एक हजार हेलमेट वितरित किए गए हैं. च्युवाधन बचाओज् अभियान के तहत कॉलेज के विद्यार्थियों को च्ट्रैफिक गुरुज् बनाकर सामाजिक कार्य करने का अनुरोध किया गया।

सांसद ने उपस्थित सभी लोगों को यातायात नियमों का पालन करने की बात कहते हुए आगे कहा कि विश्वविद्यालय समाज में बदलाव लाने का माध्यम है. चाहिए सूरत और तापी जिलों में विभिन्न कॉलेजों से 25 ट्रैफिक गुरु बनाए गए हैं, जो समाज में यातायात जागरूकता और सड़क सुरक्षा पर काम करेंगे। साथ ही बालिकाओं को भविष्य में स्वास्थ्य सुरक्षा सखी के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जो दूध, घी और मिर्च-मसाले में मिलावट को रोकने का काम करेगा. उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट रोक दी जाए तो स्वास्थ्य को कोई नुकसान नहीं होगा।

भारत के ट्रैफिक गुरु, ट्रैफिक न्यूज सिस्टम इन इंडिया के संस्थापक शैलेश सिन्हा ने सभी को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया और कहा कि दुनिया में सार्वजनिक सड़कें छोटे बच्चों से लेकर बूढ़ों तक के लिए परिवहन का सामान्य साधन हैं। इन पर चलने वाले वाहन भी एक महत्वपूर्ण संसाधन हैं, जिनका सुरक्षित एवं उचित उपयोग आवश्यक है, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

आगे ट्रैफिक गुरु ने बताया कि एक रिपोर्ट के मुताबिक इंसान के शरीर की कीमत 3600 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है. हर साल 2 लाख से ज्यादा लोग सड़क हादसों का शिकार होते हैं. चूंकि हम जीवन के नौ साल सड़क पर बिताते हैं, इसलिए हेलमेट यातायात से बचने के लिए नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिए पहनना चाहिए।

तापी पीएसआई चिरागभाई ने कहा कि ट्रैफिक और साइबर क्राइम दुनिया की दो सबसे बड़ी समस्याएं हैं। हादसों में सबसे ज्यादा 16 से 35 साल की उम्र के लोगों की मौत होती है। जिनमें से 80 फीसदी लोगों की मौत दोपहिया वाहन दुर्घटनाओं में होती है. हेलमेट पुलिस की सुरक्षा के लिए नहीं बल्कि किसी के शरीर की सुरक्षा के लिए है। ओवरस्पीडिंग भी देश में हजारों दुर्घटनाओं का कारण बनती है। उन्होंने सभी से यातायात नियमों का पालन करने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने स्टॉल धारकों को खाद्य लाइसेंस प्रदान किये। साथ ही खाद्य पदार्थों में मिलावट का सजीव प्रदर्शन कर उपस्थित सभी को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष निमेष शाह, टीए अध्यक्ष दिलीपभाई चौधरी, वीर नर्मद विश्वविद्यालय कला संकाय डीन डॉ. जयंती चौधरी, आरटीओ श्री एचएम पटेल, बारडोली ए-आरटीओ पीबी लाठिया, तापी ए-आरटीओ शैशव गमीत, जिला यातायात शाखा केए जाडेजा, खाद्य सुरक्षा विभाग छह्न. एचके सोलंकी, नेता नितिन शुक्ला, बलवंत पटेल, विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी, खाद्य व्यवसायी, व्यापारी एवं नगरवासी उपस्थित थे।

सनातन युवा संगठन द्वारा नवरात्रि उत्सव का आयोजन किया गया

सुरत भुमि, सूरत। नवागांव के अश्विनी पार्क सोसायटी में सनातन युवा संगठन द्वारा भव्य रूप से माँ का पंडाल सजाया गया हैं। जिसमें बाबूलाल जोशी (बालाजी डेरी), कमलेश मिश्रा, हृदय मिश्रा, ओमकार मिश्रा, गुलजारीलाल उपाध्याय, जोगेंद्र साहनी (श्री छठ मानव सेवा ट्रस्ट उप प्रमुख), धर्मात्मा त्रिपाठी, मुन्ना मिश्रा, सुनील शुक्ल, शरद भाई सुरती, जैज़ भाई पटेल, रवि भाई, ओमप्रकाश शर्मा, संतोष शुक्ला, अशोक भाई मिश्रा, पंकज राय, समिति के प्रमुख ब्रह्मदेव सिंह, सेशु सिंह , महाराज विशेश्व पांडे, सत्य प्रकाश पांडे, रमेश सिंह , अवधेश सिंह महाराज राजधार राय, पंडाल मैनेजमेंट अशोक मिश्रा तथा अन्य भक्तगण आरती में उपस्थित हूए।

रामलीला में विभीषण शरणागति, रामेश्वरम की स्थापना, रावण - अंगद संवाद की लीला का हुआ मंचन

सुरत भुमि, सूरत। वेसू के रामलीला मैदान पर चल रही रामलीला में गुरूवार को विभीषण शरणागति, सेतुबंध रामेश्वरम की स्थापना, रावण अंगद संवाद, का मंचन किया गया।

श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट के अध्यक्ष रतन गोयल, महामंत्री अनिल अग्रवाल ने रामलीला प्रसंग के बारे में बताया कि माता सीता की खोज करने गए पवन पुत्र हनुमान अपनी तलाश पूरी कर वापस प्रभु श्री राम के पास पहुंचते हैं और विस्तार से माता सीता की ओर से कहे गए कथन तथा पूरे प्रसंग का वर्णन करते हैं। दूसरी ओर विभीषण के राम भक्ति से नाराज रावण उनको देश निकाला का फरमान सुनाता है। इसी बीच विभीषण पहुंचता है और अपनी पूरी बात मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के समक्ष रखकर दास बनाने की अनुहार करता है।

मर्यादा के प्रतीक राम उसको गले लगा लेते हैं और अपनी शरण में ले लेते हैं। माता सीता के रावण की नगरी लंका में होने की जानकारी के बाद वानर सेना के साथ राम लंका के लिए रवाना होते हैं। अगले दृश्य में वानर सेना के साथ राम लक्ष्मण समुद्र के किनारे खड़े हैं। वह समुद्र से पार जाने की प्रार्थना करते हैं। डरा हुआ समुद्र राम के समक्ष प्रकट होता है और क्षमा प्रार्थना करता है। साथ ही समुद्र पार करने की जुगत भी बताता है। इसके बाद राम समुद्र तट पर ही देवाधिदेव भगवान शंकर का पूजन कर रामेश्वरम की स्थापना करते हैं और अंगद को दूत बनाकर लंका भेजते हैं। इधर वानर सेना और अन्य मिलकर समुद्र पर पत्थर का पुल बनाते हैं और सभी लंका पहुंच जाते हैं। राम के दूत अंगद दरबार में पहुंचते हैं और रावण से संवाद करते हैं। आक्रोशित रावण राम के दूत को दंड का फरमान सुनाता है लेकिन अंगद शर्त रख देते हैं। कहते हैं कि कोई मेरा पैर टस से मस कर दे तो मैं मान जाऊंगा कि आप राम को पराजित कर सकते हैं। तमाम वीर कोशिश करते हैं लेकिन कोई भी इस शर्त को पूरा नहीं कर पाता। रावण पांव डिगाने के लिए उठता है तो अंगद समझाते हैं कि अगर आप राम का पैर पकड़ते तो आपका कल्याण हो जाता।

ट्रस्ट की ओर से मुकेश लाठिया,तन्मय अग्रवाल, वेद जैन,मोतीलाल झाझरिया,अतुल तुलस्यान,कमल अग्रवाल ,अरुण कनोडिया ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया

आज शुक्रवार 11 अक्टूबर को रामलीला में लक्ष्मण शक्ति, कुंभकरण वध, मेघनाद वध, अहिरावण वध लीला का मंचन होगा।

माँ जीण माता पंचामृत मंगल पाठ का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। श्री जीण माता सेवा ट्रस्ट द्वारा नवरात्रि के अवसर पर माँ जीण माता पंचामृत मंगल पाठ का आयोजन गुरुवार को दोपहर चार बजे से न्यूसिटी-लाइट के देवसर माता मंदिर में स्थित श्री जीण माता मंदिर में किया गया। ट्रस्ट के कमल टाटनवाला ने बताया कि इस मौके पर माँ का भव्य श्रृंगार किया गया। अखंड ज्योत प्रज्वलन के साथ पाठ की शुरुआत की गई। माँ जीण के जीवन चरित्र पर आधारित पाठ का वाचन स्थानीय गायक कलाकार मुकेश दाधीच एवं विद्या प्रकाश ने किया। पाठ के दौरान अनेकों प्रसंगों पर भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर अशोक चौकड़ीका, अमित दोदराजका, आशा दोदराजका, सुमन गोयल सहित अनेकों भक्त उपस्थित रहें। आरती के पश्चात सभी को प्रसाद का वितरण किया गया।

स्क्रीन टाइम सम्बंधित बुक विमोचन

गुजरात राज्य शिक्षण मंत्री प्रफुल्ल पनशेरिया द्वारा 15 वर्षीय भाविका माहेश्वरी की पाँचवी पुस्तक 'स्क्रीन टाइम से ड्रीम टाइम' (गुजराती) बुक का विमोचन किया गया। भाविका ने बताया कि ये बुक नेशनल एजुकेशन पालिसी 2020 के अनुसार बच्चों के मेन्टल हेल्थ के अवेयरनेस के लिए लिखी है बुक को विज्ञान गणित सब्जेक्ट के जैसे डिज़ाइन किया है ।

इसमें छोटी स्टोरी के द्वारा सरल प्रश्न-उत्तर से मोबाइल के ओवर यूज़ के नुकसान समझाए गए है लेखक ने दावा किया है कि विश्व की पहली डिजिटल अनुशासन पुस्तक है जिसे किसी बच्चें ने अनोखे ढंग से पेश किया है। ये बुक को काफी स्कूल ने सिलेबस में शामिल किया है इंग्लिश एडिशन साउथ गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स में श्री राजेश कुमार मोदी (डिप्टी मिनिस्टर इंडस्ट्री एवं कॉमर्स ज़िम्बाब्वे), वल्लभ भाई सवानी (अध्यक्ष पी पी सवानी यूनिवर्सिटी), किशोर चावड़ा कुलपति वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी, भरत शाह चैयरमेन सार्वजनिक एजुकेशन सोसाइटी, डॉ दक्सेश ठाकर कुलपति वनिता विश्राम महिला यूनिवर्सिटी, डॉ पराग संघानी कुलपति पी पी सवानी यूनिवर्सिटी, श्री परिमल व्यास कुलपति ऑरो यूनिवर्सिटी, जयंती पटेल अध्यक्ष विद्यादीप यूनिवर्सिटी चैम्बर अग्रणी विजय मेवावाला, रमेश वघासिया निखिल मद्रासी द्वारा हुई।

अभी ये इंग्लिश एवं गुजराती भाषा मे उपलब्ध है जल्द ही हिंदी भाषा मे पुस्तक आएगी। आज के डिजिटल दौर में बच्चों के स्क्रीन टाइम बढ़ने से कई शारिरिक मानसिक परेशानिया हो रही है

इससे पहले भाविका माहेश्वरी 2019 से पब्जी एवं अन्य हिंसक मोबाइल गेम के खिलाफ आवाज उठा चुकी है एवं 10 हजार से बच्चों को अवेयर कर चुकी है

पूरे देश मे 400 से ज्यादा स्पिरिचुअल,मोटिवेशनल,बिज़नेस स्क्रीन टाइम समन्धित कार्यक्रम कर चुकी है कथा द्वारा राम मंदिर में 52 लाख समर्पण निधि अयोध्या भेज चुकी है साथ ही राष्ट्रपति भवन में महामहिम द्रौपदी मुर्मू से यक्तिगत भेंट कर चुकी है।

साथ ही मोबाइल अडिक्शन क्लिनिक स्टार्टअप की सहसंस्थापक भी है जो क्रिएटिव फलैश कार्ड की रेंज मार्किट में ला चुकी है। आस्ट्रेलिया,अमेरिका,कनाडा,स्वीडन,फ्रांस,यूनाइटेड किंगडम सहित कई देशों ने बच्चों की मेन्टल एवं शारीरिक स्वास्थ्य को देखते हुए । गाइडलाइंस बनाई है इस हेतु भाविका ने भारत सरकार से भी अनुरोध किया है।

नवरात्रि के उपलक्ष में कन्या पूजन का हुआ आयोजन

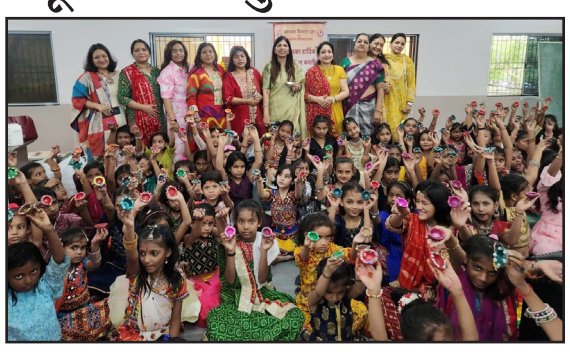

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा नवरात्रि के पावन पर्व पर गुरुवार को एसएमसी शाला क्रमांक 160 की छात्राओं का पूजन किया गया। महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि इस पावन पर्व पर 101 कन्याओं का पूजन करके उन्हें भेट स्वरूप गिफ्ट्स दिए गए। साथ ही दिवाली के लिए बच्चों को गोबर के दीपक डेकोरेट करना सिखाया गया। इस अवसर पर महिला शाखा की रुचिका रुंगटा, सरोज अग्रवाल, प्रीति गोयल, आरती मित्तल सहित महिला शाखा की अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

आलिया भट्ट और शर्वरी की अल्फा, यशराज फिल्म्स की पहली महिला स्पाई फिल्म, 25 दिसंबर 2025 को होगी रिलीज!

मुंबई।

यशराज फिल्म्स ने घोषणा की है कि उनकी बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर अल्फा, जो YRF स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म है, 25 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा कर रहे हैं।

बॉलीवुड सुपरस्टार आलिया भट्ट फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगी, और उनके साथ उभरती हुई अभिनेत्री और ङ्क्रक्रस्न की होमग्रोन टैलेंट शर्वरी होंगी। दोनों इस बहुप्रतीक्षित स्पाईवर्स फिल्म में सुपर एजेंट की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसे शिव रवैल निर्देशित कर रहे हैं।

अल्फा एकदम सही छुट्टियों का मनोरंजन बनने जा रही है, क्योंकि आदित्य चोपड़ा इस फिल्म को बड़े परदे का भव्य अनुभव बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस फिल्म में शानदार दृश्य और रोमांचक एक्शन सीक्वेंस के साथ साथ कई अप्रत्याशित ट्विस्ट भी देखने को मिलेंगे।

ब्रिटानिया और बेल ग्रुप ने भारत में चीज़ के स्थानीय निर्माण के लिए अपनी साझेदारी को बनाया मजबूत

भारत । भारत के प्रमुख चीज़ प्लेयर ब्रिटानिया बेल फूड्स ने महत्वाकांक्षी संयुक्त उद्यम स्थापित करने के तकरीबन दो वर्ष बाद आज अपने विकास में उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा की है। कंपनी ने भारत में चीज़ फैक्टरी का उद्घाटन किया, जहां ब्रिटानिया द लाफिंग काओ प्रोडक्ट्स का उत्पादन स्थानीय रूप से किया जाएगा। कंपनी का यह कदम भारतीय उपभोक्ताओं को स्थानीय रूप से निर्मित सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता के उत्पाद उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत में दूध के उत्पादन की बात करें तो इस दृष्टि से महाराष्ट्र अग्रणी राज्य है, जहां का डेयरी सिस्टम अपने आप में परिपक्व है। ऐसे में यह चीज़ फैक्टरी की लोकेशन के लिए सही चुनाव है, जिसकी स्थापना

आधुनिक सुविधाओं से युक्त फैक्टरी के उद्घाटन के साथ नया कदम

ब्रिटानिया डेयरी सुविधाओं सहित संयुक्त उद्यम से तकरीबन 220 करोड़ के निवेश के साथ नई ग्रीनफील्ड फैक्टरी महाराष्ट्र के सबसे बड़े फूड पार्कों में से एक में स्थापित की गई है। इसे ब्रिटानिया की आधुनिक डेयरी उत्पादन युनिट में शामिल किया गया है, जो ब्रिटानिया के डेयरी उत्पादों की व्यापक रेंज का उत्पादन करती है, जिसमें ब्रिटानिया द लाफिंग काओ चीज़ और अन्य प्रोडक्ट्स की सम्पूर्ण रेंज जैसे :स्लाइस, ब्लॉक्स, स्प्रैड, डाइस्ड और क्यूब्स शामिल हैं।

इस फैक्टरी की आधुनिक टेक्नोलॉजी जैसे पास्चराइज़र, बैक्टोफ्यूज और ऑटो स्टैन्डरडाइज़ेशन युनिट्स, उपभोक्ताओं को चीज़ का सर्वश्रेष्ठ अनुभव प्रदान करती हैं। चैडर, मोज़रेला और प्रोसेस्ड चीज़ का निर्माण विश्वस्तरीय उपकरणों से किया जाता है, जिन्हें उपकरण बनाने वाले ग्लोबल लीडर्स से आयात किया जाता है। यह आधुनिक टेक्नोलॉजी खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता के सर्वोच्च मानकों को सुनिश्चित करते हुए प्रीमियम चीज़ प्रोडक्ट्स का उत्पादन करती है, ताकि उपभोक्ताओं को निरंतर सर्वोच्च गुणवत्ता के प्रोडक्ट्स प्राप्त होते रहें।

इस नई युनिट के लॉन्च पर बात करते हुए वरुण बैरी, एग्जक्टिव वाईस चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज़ ने कहा,"ब्रिटानिया दूध किसानों के कल्याण और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है, जो हमारे कारोबार का आधार हैं।3000 से अधिक दूध किसानों को समर्थन प्रदान करने वाला हमारा इंटीग्रेटेड सपोर्ट प्रोग्राम किसानों को स्थायी पशु प्रबन्धन, प्रजनन एवं आहार प्रथाओं के साथ सशक्त बनाता है। दूध की खरीद के लिए हमारे इंटीग्रेटेड प्रोग्राम का उपयोग कर हम गुणवत्ता एवं स्थायित्व में नए बेंचमार्क स्थापित कर रहे हैं, साथ ही डेयरी किसानों को भी सशक्त बना रहे हैं। रंजनगाव का चुनाव अपने आप में महत्वपूर्ण है क्योंकि महाराष्ट्र दूध के उत्पादन में अग्रणी है, और हम इसे प्रीमियम स्थानीय रूप से प्राप्त किए जाने वाले डेयरी उत्पादों के हब के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। हमें विश्वास है कि यह नई चीज़ युनिट ब्रिटानिया और बेल गुप की साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाएगी तथा उद्योग जगत में विकास एवं इनोवेशन को नई गति प्रदान करेगी।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)